RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 139 , गुरुवार, 02 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8
9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

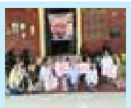

लंबित मांगों को लेकर एलएनडी कॉलेज शिक्षक संघ का एक घंटे का प्रतिरोध प्रदर्शन, समय ... 03

शिकारगंज में पुलिस का बड़ा प्रहारः महाकुर्की अभियान के तहत छह आरोपियों के... 04

श्वेता तिवारी ने रेड ड्रेस में बिखेरा जलवा स्माइल से लूट लिया करार 07

संक्षिप्त समाचार

महंत नृत्य गोपाल दास की तबियत बिगड़ी आईसीयू में भर्ती

राम जन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष

लखनऊ (एजेंसी)। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 89 वर्षीय महंत को 29 जून की दोपहर बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया था। जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन से पीड़ित बताया है। फिलहाल उनका

इलाज अस्पताल के आईसीयू में विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा है। मेदांता अस्पताल की ओर से जारी मेडिकल बुलेटिन के अनुसार, महंत नृत्य गोपाल दास को 29 जून को दोपहर करीब 1.30 बजे बेहोशी की हालत में इमरजेंसी विभाग में लाया गया था। प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन की पुष्टि की।
विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में इलाज अस्पताल के अनुसार, महंत नृत्य गोपाल दास को आईसीयू में भर्ती किया गया है। उनका उपचार क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ डॉ. दिलीप और उनकी टीम की देखरेख में चल रहा है।

आर्मेनिया को मिली ब्रह्मोस डरा पाकिस्तान का दोस्त

भारत आर्मेनिया रक्षा समझौतों की अजरबैजान ने की आलोचना

बाकू/नई दिल्ली (एजेंसी)। अजरबैजान ने आर्मेनिया के साथ भारत के साथ मजबूत होते रक्षा संबंध को लेकर गहरी नाराजगी जताई है। अजरबैजान को डर है कि भारत आर्मेनिया को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर जैसे एडवांस्ड हथियार दे सकता है जिससे वो डर गया है। इसीलिए

अजरबैजान ने भारत के सामने इन संभावित रक्षा सौदों की कड़ी आलोचना की है। अजरबैजान के अधिकारियों और सरकारी मीडिया ने नई दिल्ली के इस कदम को दक्षिण काकेशस में अस्थिरता पैदा करने वाली युद्ध भड़काने की कार्रवाई बताया है। ये वही अजरबैजान है जो लगातार भारत के खिलाफ पाकिस्तान का साथ देता आया है। वो कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान का खुलकर समर्थन करता है और पिछले साल मई संघर्ष के दौरान भी अजरबैजान ने पाकिस्तान का साथ दिया था। इसके बाद अजरबैजान को उसी की भाषा में जवाब देने के लिए भारत ने आर्मेनिया के साथ तेजी से रक्षा संबंध बनाए हैं। 2020 और 2023 के संघर्षों के बाद भारत और आर्मेनिया के संबंध काफी बढ़ गये हैं।

एमपी कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की बढ़ी मुसीबत

गिरफ्तारी वारंट जारी, कोर्ट ने कहा- पुलिस उन्हें क्यों नहीं ढूंढ़ पा रही

ग्वालियर (एजेंसी)। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया गया है। यह वारंट ग्वालियर की एमपी एमएलए कोर्ट की तरफ से जारी किया गया है। यह पूरा घटनाक्रम साल 2024 के लोकसभा चुनाव से जुड़ा हुआ है। साथ ही कोर्ट ने पुलिस को भी फटकार लगाई है।
2024 लोकसभा चुनाव से जुड़ा है मामला दरअसल, 2024 के लोकसभा चुनाव में जीतू

पटवारी भिंड जिले में पहुंचे थे। यहां उमरी इलाके में उन्होंने सार्वजनिक तौर पर यह बात कही थी कि बीएसपी के प्रत्याशी देवाशीष जरारिया बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव को प्रभावित कर रहे हैं। यह बयान सामने आने के बाद देवाशीष जरारिया के चुनावी प्रतिनिधि अशोक गुप्ता ने इस बात की शिकायत उमरी थाने में दर्ज कराई थी। इसके बाद जीतू पटवारी पर एफआईआर दर्ज कर ली गई थी। इसी मामले की लंबे समय से सुनवाई चल रही थी। एमपी एमएलए कोर्ट की तरफ से कई बार जीतू पटवारी को सम्मन जारी किए गए थे। लेकिन वह कोर्ट में पेश नहीं हुए।

● ड्रोन युद्ध और हवाई निगरानी के लिए बड़ी तैयारी शुरू

सेना बना रही है स्पेशल 'बाज बटालियन'

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना खुद को हर क्षेत्र में मजबूत कर रही है। अब ड्रोन क्षेत्र में मजबूत होने की प्रक्रिया पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसके तहत भारत विशेष बाज बटालियन बना रहा है। भारतीय सेना अपनी निगरानी क्षमता और ड्रोन युद्ध की तैयारियों को और मजबूत करने के लिए विशेष बाज बटालियन बना रही है। ये बटालियन फ्रंटलाइन यूनिट्स को उन्नत हवाई निगरानी, सिचुएशनल अवेयरनेस और ड्रोन संचालन की सुविधा प्रदान करेंगी। सेना के सूत्रों ने बताया कि बाज बटालियन सीमा निगरानी, ड्रोन युद्ध की तैयारी, संवेदनशील इलाकों में ऑपरेशनल तैयारियों और फ्रंटलाइन यूनिट्स व

इंटेलीजेंस सिस्टम के बीच बेहतर समन्वय को मजबूत करेंगी। बाज बटालियन का गठन भारतीय सेना को और अधिक तकनीक-सक्षम और भविष्य-उन्मुख बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। मुख्य सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को कहा कि ये बटालियन मौजूदा रिमोटली पाइल टेड एयर क्राफ्ट फ्लाइट्स पर आधारित होंगी। आरपीए व्हीकल हैं, जिन्हें रिमोट से संचालित किया जाता है।

ऑपरेशन सिंदूर से सबक लेते हुए की पहल

सूत्रों के अनुसार, इन बटालियनों में विशेष प्रशिक्षित जवानों का पूल होगा, जो आरपीए सिस्टम को ऑपरेट और मैनेज करेंगे। इसका उद्देश्य खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही (आईएसआर) क्षमताओं को बढ़ाना है, ताकि युद्धक्षेत्र में निरंतर नजर रखी जा सके और तेज प्रतिक्रिया दी जा सके। ये बटालियन संभवतः आर्मी एविएशन कोर के अंतर्गत काम करेंगी। सेना ने हाल के संघर्षों रूस-यूक्रेन युद्ध, चीन के साथ एलएसी पर तनाव और पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर से सबक लेते हुए यह पहल की है। इनमें ड्रोन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण साबित हुई थी। जनरल द्विवेदी ने हाल ही में कहा था कि दो साल पहले भारतीय सेना के पास मात्र कुछ सौ ड्रोन थे, जो अब बढ़कर 50,000 से ज्यादा हो चुके हैं। आने वाले 2-3 वर्षों में यह संख्या और दोगुनी हो सकती है।

राम मंदिर चोरी मामले में बढ़ गई एसआईटी जांच की समय-सीमा

● सीएम योगी ने बढ़ाया दायरा, 15 जुलाई तक सौंपनी होगी रिपोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या तीर्थ क्षेत्र में दान प्रकरण की जांच कर रहे

विशेष जांच दल (एसआईटी) की समय-सीमा 15 जुलाई तक बढ़ा दी है। मामले के विभिन्न पहलुओं की गहन छानबीन के लिए एसआईटी ने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया था, जिसे स्वीकार करते हुए उन्होंने एसआईटी को आगामी 15 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी का गठन करने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि एसआईटी इस प्रकरण में हर पहलू की सघनता और निष्पक्षता से जांच करते हुए दूध का दूध और पानी का पानी करेगी। दोषियों को किसी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। गत 23 जून को एसआईटी के प्रमुख सदस्य लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने अपना प्रारंभिक प्रतिवेदन गृह विभाग को सौंपा था, जिसमें कठोर संस्तुतियां की गई थीं। इन संस्तुतियों के आधार पर कृष्णमोहन की लिखित शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई।

जैन मुनि को खामेनेई के अंतिम संस्कार का न्योता

तेहरान (एजेंसी)। जैन संत और अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक आचार्य लोकेश मुनि को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण मिला है। यह कार्यक्रम 4 और 5 जुलाई को तेहरान में होगा। ईरान के सर्वोच्च नेता के कार्यालय की ओर से भेजे गए निमंत्रण पत्र में कहा गया है कि भारत और ईरान के ऐतिहासिक रिश्तों को देखते हुए आचार्य लोकेश मुनि की मौजूदगी दोनों देशों के बीच गहरे सम्मान और मित्रता का प्रतीक होगी। ईरानी मीडिया के मुताबिक, अंतिम संस्कार में 1.2 करोड़ से 2 करोड़ लोगों के शामिल होने का अनुमान है। इसी वजह से पूरे तेहरान में सुरक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य व्यवस्थाओं के विशेष इंतजाम किए गए हैं। शहर में कई मार्गों पर वाहनों की आवाजाही भी सीमित रहेगी।

जम्मू-कश्मीर में बादल फटा, अरुणाचल में बाढ़

● नार्थ-ईस्ट में भारी बारिश से बन गए तबाही के हालात

एमपी और बिहार में बिजली गिरने से 8 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर को डोडा में बुधवार सुबह 2 बार बादल फटा। भलेसा के कलालगीसर इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। ढेर सारा मलबा पहाड़ी से बहकर सड़क पर आ गया। इससे रास्ते ब्लॉक हो गए। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ और लैंडस्लाइड का कहर है। अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। अंजॉ जिले के सारती गांव में लैंडस्लाइड में एक व्यक्ति की मौत हुई। इससे पहले कीयी पन्योर में बाढ़ में 3 लोग बह गए थे। अधिकारियों के मुताबिक 2 लोग लापता हैं। 28 जिलों के 90 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं।

दिल्ली, राजस्थान को छोड़ पूरे देश में मानसून पहुंचा- मानसून ने बुधवार को पंजाब और हरियाणा में एंट्री कर ली। अब दिल्ली और राजस्थान को छोड़ पूरे देश में मानसून पहुंच गया है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि जुलाई में देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से कम बारिश हो सकती है। देश में इस साल जून महीने में 1901 के बाद पांचवीं सबसे कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, जून में सामान्य 165.3 एमएम के मुकाबले केवल 99.5 एमएम बारिश हुई, जो 39.8 फीसदी कम है। आईएमडी ने बताया कि अगले दो से तीन दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और पूरे जम्मू-कश्मीर में पहुंच सकता है। अल नीनो के असर के कारण इस साल मानसून प्रभावित है।

हत्या से पहले सिया ने छीन लिया था केतन का फोन

क्या डिलीट की चैट और कॉल? पुलिस ने सब बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुणे के हाई-प्रोफाइल केतन अग्रवाल मर्डर केस में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। बुधवार को पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या से पहले केतन की मंगेतर सिया ने उसका मोबाइल फोन कुछ समय के लिए ले लिया था। हालांकि बाद में सिया ने केतन के एक रिश्तेदार को उसका मोबाइल सौंपा दिया था। अब पुलिस इस तफ्तीश में जुटी है कि क्या सिया ने केतन के मोबाइल से कोई सुराग मिटाए थे?

क्राइम सीन रीक्रिएशन, गेट एनालिसिस का प्लान- रविवार को पुलिस ने सिया के साथ क्राइम सीन को रीक्रिएट किया, जहां सिया की मौजूदगी में एक डमी को चट्टान से नीचे गिराया गया। पुणे पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आज चेतन के साथ भी इसी तरह क्राइम सीन को रीक्रिएट किया गया, जिसमें पुलिस सह-आरोपी चेतन को किले पर ले गई। पुलिस गेट एनालिसिस करने की भी योजना बना रही है, जो किसी व्यक्ति के चलने के तरीके का वैज्ञानिक अध्ययन है। दावे को खारिज किया गया है।

परिवार को सिया ने सौंपा था फोन

पुणे पुलिस ने पुष्टि की है कि केतन की हत्या के बाद कुछ समय तक उसका फोन सिया के पास था, लेकिन यह साफ नहीं है कि फोन के साथ कोई छेड़छाड़ की गई थी या नहीं। न्यूज एजेंसी के अनुसार, एक पुलिस अधिकारी ने कहा, बाद में उसने केतन का मोबाइल उसके परिवार को सौंप दिया। हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि जब फोन उसके पास था, तो क्या कोई अहम सबूत डिलीट किया गया या उसके साथ कोई छेड़छाड़ की गई। पुणे के लोहगढ़ किले में 26 साल के केतन अग्रवाल को कथित तौर पर सिया और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने धक्का देकर मार डाला। जांच जारी रहने तक सिया और चेतन दोनों 3 जुलाई तक पुलिस की हिरासत में हैं। सिया और केतन की सगाई फरवरी में हुई थी। दोनों की शादी इस साल नवंबर में होने वाली थी। परिवारों ने शादी में मेहमानों को ले जाने के लिए जयपुर में एक महल 17 करोड़ रुपये में बुक किया था। साथ ही दो प्राइवेट प्लेन का इंतजाम भी किया था।

दिल्ली में छह लेन की द्वारका टनल को मंजूरी

● मोदी कैबिनेट ने दूर की बाधा, 6970 करोड़ रुपये होंगे खर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने बुधवार को दो अहम हाइवे प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी। इनमें दिल्ली में छह लेन की द्वारका टनल परियोजना शामिल है। साथ ही कानपुर-भोपाल के बीच कनेक्टिविटी सुधारने के लिए भी एक योजना को मंजूरी दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इन प्रस्तावों को मजूरी दी गई। दिल्ली में द्वारका टनल पर 6970 करोड़ रुपये खर्च होंगे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि कैबिनेट ने एनएच-148एई से द्वारका एक्सप्रेस को जोड़ने के लिए 6 लेन की टन बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसकी कुल लंबाई 8.1 किमी होगी और इस पर 6969.67 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसे हाइब्रिड एन्युटी मोड पर बनाया जाएगा। यह प्रोजेक्ट अर्बन एक्सटेंशन रोड 2/द्वारका एक्सप्रेसवे को दक्षिण दिल्ली के वसंत कुंज से जोड़कर पश्चिम

और दक्षिण दिल्ली के बीच तेज कनेक्टिविटी देगा। इससे गुरुग्राम, एयरपोर्ट और पश्चिम दिल्ली से दक्षिण दिल्ली की ओर जाने वाले ट्रैफिक को फायदा होगा।

कानपुर-भोपाल हाइवे प्रोजेक्ट- कैबिनेट ने साथ ही उत्तर प्रदेश में एनएच-34 के कानपुर-कबराई सेक्शन को बीओटी (टोल) मोड पर 4/6 लेन वाले एक्सेस-कंट्रोल्ड हाईवे के तौर पर बनाने की मंजूरी दी है। इसकी कुल लागत 7145.14 करोड़ रुपये होगी। यह प्रोजेक्ट कानपुर और कबराई के बीच तेज रफ्तार कनेक्टिविटी देगा। साथ ही, यह सागर, भोपाल और मध्य प्रदेश के दूसरे इलाकों के लिए आगे की कनेक्टिविटी को भी मजबूत करेगा। इससे एक आधुनिक, एक्सेस-कंट्रोल्ड इकोनॉमिक कॉरिडोर बनेगा जो उत्तर प्रदेश के इंडस्ट्रियल और कमर्शियल सेंटर्स को मध्य प्रदेश के मिनरल-रिच, मैन्युफैक्चरिंग और एग्रीकल्चरल इलाकों से जोड़ेगा और स्थिति में सुधार लाएगा।

दुश्मनी खत्म करें, बातचीत और रिश्ते फिर से शुरू हों

● भारत-पाक की 117 प्रमुख हस्तियों ने मोदी-शहबाज को लिखा पत्र

नई दिल्ली/इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के रिश्तों को सुधारने के लिए दोनों देशों की 117 हस्तियों ने पीएम मोदी और पाक पीएम शहबाज शरीफ को चिट्ठी लिखी है। इसमें कहा गया है कि टकराव नहीं, बातचीत का रास्ता चुनिए, ताकि दक्षिण एशिया में शांति और विकास का माहौल बन सके। इन 117 हस्तियों में पूर्व अधिकारी, सामाजिक और राजनीतिक हस्तियां शामिल हैं। भारत की ओर से जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारुक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और आरजेडी सांसद मनोज झा समेत 61 लोगों और पाकिस्तान की ओर से पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी समेत 56 लोगों ने चिट्ठी पर साइन किए हैं।

बिहार में निशांत की नजरों से बचना होगा मुश्किल!

● सरकारी अस्पतालों में लगेंगे सीसीटीवी, पटना के कंट्रोल रूम से होगी निगरानी

पटना (एजेंसी)। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता लोगों को बेहतर और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि कोशिश है कि मरीजों का इलाज जिला अस्पतालों में ही हो जाए और जरूरत पड़ने पर ही उन्हें पटना रेफर करना पड़े। मीडिया से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसके लिए एक सॉफ्टवेयर भी विकसित किया जाएगा, जिससे स्वास्थ्य विभाग के कंट्रोल रूम से अस्पतालों की निगरानी की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी अस्पतालों का निरीक्षण करेंगे और अपनी टीम को भी भेजेंगे, लेकिन

तकनीक के जरिए नियमित मॉनिटरिंग की व्यवस्था विकसित की जाएगी। अगर कहीं कोई अनियमितता पाई गई तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

350 तरह की दवा देती है सरकार

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि सरकार ये सुनिश्चित करेगी कि डॉक्टर समय पर ड्यूटी करें और मरीजों को बेहतर इलाज मिले। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने सरकारी अस्पतालों में 504 प्रकार की दवाइयां उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया है। फिलहाल करीब 350 दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं और शेष दवाओं की उपलब्धता पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अस्पतालों और बाजार से दवाओं के रैंडम सैंपल लेकर उनकी नियमित जांच कराई जाए।

मशीन खराब होने पर तुरंत सूचना दें

निशांत कुमार ने बताया कि अगर किसी अस्पताल में दवाओं की कमी हो या एमआरआई, सीटी स्केन, अल्ट्रासाउंड जैसी मशीनें खराब हों अथवा उन्हें संचालित करने के लिए तकनीशियन उपलब्ध न हों, तो इसकी तत्काल सूचना स्वास्थ्य विभाग को दी जाए। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि आवश्यक तकनीशियन उपलब्ध रहें, ताकि मरीजों को जांच के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

हाईवे पर तैनात रहेंगी 100 एम्बुलेंस

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने के लिए स्टेट हाईवे और नेशनल हाईवे पर करीब 100 एम्बुलेंस तैनात करने की योजना पर काम कर रही है, ताकि गोल्डन आवर के दौरान त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके। निशांत कुमार ने बताया कि राज्य में 11 लेवल-3 ट्रॉमा सेंटर और 5 लेवल-2 ट्रॉमा सेंटर विकसित करने की योजना पर भी काम चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में चार पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त, 3 को मिली प्रोन्नति

हाजीपुर। वैशाली में चार पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त हुए, जबकि तीन पुलिस पदाधिकारियों को प्रोन्नति मिली। वैशाली के पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा ने अपने कार्यालय में बुलाकर इन सभी को सम्मानित किया। सेवानिवृत्त हुए पुलिसकर्मियों को एसपी ने रामचरितमानस भेंट कर विदाई दी। इस अवसर पर उन्हें उनके आगे के जीवन के लिए शुभकामनाएं भी दी गईं। वहीं, सार्जेंट से सार्जेंट मेजर के पद पर पदोन्नत हुए तीन पुलिस अधिकारियों को एसपी ने मिठाई खिलाकर बधाई दी। पदोन्नत होने वालों में सार्जेंट नीलेश कुमार सिंह, सार्जेंट संतोष कुमार और सार्जेंट शिल्पा कुमारी शामिल हैं। यह पाइपिंग सेरेमनी पुलिस अधीक्षक कार्यालय हाजीपुर में आयोजित की गई थी। इस दौरान पुलिस कप्तान ने पदोन्नत अधिकारियों के कंधों पर एक सितारा लगाकर उन्हें अलंकृत किया। एसपी ने उन्हें पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा ने सेवानिवृत्त होने वाले चारों पुलिसकर्मियों को भी आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं दीं।

रोड एक्सीडेंट, 7 लोग घायल, स्कॉर्पियो-बोलेरो की टक्कर, 2 रेफर, शादी में जा रहे थे

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र में मायाराम हाट के पास एक सड़क दुर्घटना में 6 से 7 लोग घायल हो गए। यहां स्कॉर्पियो और बोलेरो के बीच जोरदार टक्कर हुई। यह घटना बिदुपुर थाना परिसर से महज 50 मीटर की दूरी पर हुई। जानकारी के अनुसार, बोलेरो में सवार लोग एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही स्कॉर्पियो से उनकी गाड़ी की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दुर्घटना में 6 से 7 लोग घायल हुए हैं। स्थानीय लोगों की सहायता से सभी घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही बिदुपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो और बोलेरो को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

सदर अस्पताल में कचरे से मिली सरकारी दवाएं-इंजेक्शन विभागीय जांच के बाद एक्सपायर होने की होगी पुष्टि

हाजीपुर। हाजीपुर सदर अस्पताल परिसर के पास कचरे के ढेर में बड़ी मात्रा में सरकारी दवाइयां और इंजेक्शन पाए गए हैं। मौके पर मिली कुछ दवाइयों के पैकेट और शीशियों पर अंकित जानकारी के अनुसार, वे प्रथम दृष्टया एक्सपायर नहीं लग रही थीं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि विभागीय जांच के बाद ही हो पाएगी। स्थानीय निवासियों ने बताया कि काफी समय से अस्पताल के पास मेडिकल सामग्री फेंकी जा रही थी। सूचना मिलने पर जब मौके का मुआयना किया गया, तो कचरे के बीच बड़ी संख्या में दवाइयां और इंजेक्शन बिखरे हुए पाए गए। इस घटना ने अस्पताल की कार्यप्रणाली और मेडिकल कचरा प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह सवाल उठ रहा है कि यदि ये दवाइयां उपयोग योग्य थीं, तो इन्हें मरीजों को उपलब्ध कराने के बजाय कचरे में क्यों फेंका गया? वहीं, यदि इन्हें नष्ट किया जाना था, तो क्या इसके लिए निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन किया गया था? यह उल्लेखनीय है कि सरकारी अस्पतालों में अक्सर मरीजों को दवाइयां उपलब्ध न होने की शिकायतें मिलती रहती हैं। ऐसे में, कचरे के ढेर में बड़ी मात्रा में सरकारी दवाइयों का मिलना स्वास्थ्य व्यवस्था की पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। अब सभी की निगाहें स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि इस मामले की गहन जांच कराई जाती है या नहीं। यदि किसी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता सामने आती है, तो जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

पिता बोले- 2 लाख के लिए मर्डर, बोरी में मिली बॉडी, गलाने के लिए यूरिया डाला

मुजफ्फरपुर। शादी के बाद जिस गाड़ी से बेटी की विदाई हुई थी, उसी कार से ससुराल वालों ने लाश को ठिकाने लगाया है। वे लोग बेटी की हत्या कर फरार है। इनलोगों ने पहले बाइक मांगी थी। मेरी हैसियत स्पलेंडर देने की थी, पर दादाद के जिद पर कर्ज लेकर अपाची बाइक पिछले साल धनतेरस पर दी थी, अब 2 लाख नगद भी मांग रहे थे। कहां से देता। ये बातें मृतका के पिता विनोद राम ने कही है। जिनकी बेटी खुशबू कुमारी की लाश मुजफ्फरपुर में ससुराल से 2 किमी दूर 6 दिन पहले मिली थी। शव बोरी में बंद था। जिसे गलाने के लिए यूरिया का भी इस्तेमाल किया गया था। मामसा गायघाट का है। विनोद राम ने बताया कि खुशबू की शादी 26 फरवरी 2025 को बिट्टू राम के साथ शर्फुद्दीनपुर स्थित राधा-कृष्ण ठाकुर मंदिर में की थी। अगले ही दिन दोनों ने कोर्ट में शादी के लिए रजिस्ट्रेशन भी कराया। परिवार को उम्मीद थी कि बेटी सुखी रहेगी, लेकिन शादी के कुछ ही दिनों बाद उसका जीवन प्रताड़ना में बदल गया। 24 जून को बेटी से संपर्क टूट गया। उसी दिन शादी कराने वाले व्यक्ति ने सूचना दी कि बेटी ससुराल से लापता है। जब हमलोग ससुराल पहुंचे तो घर में ताला लगा था और सभी लोग फरार थे। रिश्तेदारों और आसपास काफी खोजबीन के बाद भी जब खुशबू का पता नहीं चला तो 25 जून को पीयर थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई। इसके बाद पुलिस 5 दिनों तक उसकी तलाश करती रही, लेकिन सोमवार दोपहर करीब 2 बजे सूचना मिली एक लाश मिली है, हमलोग वहां गए तो देखा हमारी बेटी है। विनोद राम ने कहा, मेरी बेटी सात महीने की गर्भवती थी। उसकी हत्या के साथ अजन्मे बच्चे की भी हुई। यह एक नहीं, दो-दो हत्याएं हैं। जिसने अभी दुनिया भी नहीं देखी, उसे भी मार डाला गया। दामाद दिल्ली में राजमिस्त्री का काम करता है और हत्या करने के बाद वापस दिल्ली भाग गया। पिता का कहना है कि आरोपियों का आपराधिक प्रभाव है और डर है कि कहीं मेरी भी हत्या न कर दी जाए। उन्होंने प्रशासन से आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की है।

श्रावणी मेले में सीसीटीवी से होगी निगरानी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के बाबा गरीबनाथ धाम में इस बार श्रावणी मेले के दौरान कांवरियों की सुरक्षा व्यवस्था हाईटेक होगी। 30 जुलाई से शुरू होने वाले मेले में पहली बार पहलेजा घाट से लेकर बाबा गरीबनाथ धाम तक सीसीटीवी कैमरों का नेटवर्क तैयार किया जाएगा। इन कैमरों के जरिए पूरे कांवरिया पथ पर 24 घंटे निगरानी रखी जाएगी, जिससे छिनतई, मारपीट या अन्य अप्रिय घटनाओं पर तत्काल कार्रवाई हो सके। जिला प्रशासन ने इसकी तैयारियां तेज कर दी हैं। पहले शहर में प्रवेश के बाद सीमित कैमरे लगते थे, लेकिन इस बार कांवरियों के पहलेजा घाट से जल भरने के साथ ही उनकी पूरी यात्रा कैमरों की निगरानी में रहेगी। नेशनल हाईवे के सुनसान इलाकों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जहां पहले छिनतई जैसी घटनाएं हुई थीं। जिला प्रशासन के अनुसार, सभी प्रमुख कैमरों को स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ा जाएगा। अनुमंडल कार्यालय और जिला कंट्रोल रूम से भी इनकी निगरानी होगी। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना पर पुलिस पदाधिकारियों को तत्काल अलर्ट भेजा जाएगा, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। इस बार केवल मंदिर परिसर ही नहीं, बल्कि कांवरिया पथ, राष्ट्रीय राजमार्ग, स्वास्थ्य शिविरों, विश्राम स्थलों और प्रमुख चौराहों पर भी कैमरे लगाए जाएंगे। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, पिछले वर्षों में करीब 100 कैमरे लगाए जाते थे, लेकिन इस बार यह संख्या बढ़ाकर लगभग 300 की जाएगी। श्रावणी मेले के दौरान शनिवार दोपहर से सोमवार दोपहर तक मुजफ्फरपुर-हाजीपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी और मालवाहक वाहनों के परिचालन पर प्रतिबंध रहता है। इसके बावजूद कुछ वाहन ग्रामीण सड़कों से हाईवे पर आ जाते हैं, जिससे कांवरियों को परेशानी होती है। इस बार सीसीटीवी नेटवर्क के जरिए ऐसे वाहनों की भी निगरानी की जाएगी और नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई होगी। प्रशासन ने शुरू किया रूट निरीक्षण पूर्वी एसडीएम तुषार कुमार ने बताया कि श्रावणी मेले को लेकर जिला प्रशासन ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है।

पटना में शराबियों को लेकर लौट रही टीम पर फायरिंग

एजेंसी, पटना

- पालीगंज में मध निषेध विभाग ने की छापेमारी, अज्ञात हमलावर फरार, सभी जवान सुरक्षित

पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल में मंगलवार देर रात मध निषेध विभाग की टीम पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। अख्तियारपुर पुल के पास विभाग के वाहन पर अज्ञात हमलावरों ने फायरिंग कर दी। घटना के समय वाहन में मौजूद जवान और अन्य कर्मी बाल-बाल बच गए।

शराबियों को लेकर लौटते समय हुई फायरिंगः पालीगंज अनुमंडल के आबकारी विभाग के अधिकारी बैद्यनाथ यादव ने बताया, 'विभाग की टीम क्षेत्र के विभिन्न मुसहरी इलाकों में शराबबंदी कानून के तहत छापेमारी कर रही थी। महाराजगंज मुसहरी से कुछ शराबियों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार लोगों को लेकर टीम वापस लौट रही थी। इसी दौरान अख्तियारपुर पुल के पास वाहन पर अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। गोली वाहन को निशाना बनाकर चलाई गई, लेकिन किसी भी कर्मी को चोट नहीं आई। वाहन में मौजूद होमगार्ड जवान प्रिंस कुमार ने बताया, जब हम सभी लोग शराबी को पकड़ कर थाना ला रहे थे, तभी अचानक से गाड़ी पर फायरिंग हुई। घटना में सभी लोग सुरक्षित बच गए।

सूचना मिलते ही पहुंची पुलिसः घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक सभी हमलावर फरार हो चुके थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पालीगंज थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया, 'देर रात अख्तियारपुर पुल के पास घटना हुई थी। सूचना मिलने पर पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। हालांकि, तब तक सभी अपराधी फरार हो चुके थे। गाड़ी के ऊपर एक फायरिंग हुई है। विभाग के तरफ से लिखित शिकायत मिलने के बाद आगे कार्रवाई की जाएगी।' फिलहाल, पुलिस घटनास्थल के आसपास की जानकारी जुटाने और हमलावरों की पहचान के प्रयास में लगी हुई है।

खुसरूपुर के व्यवसायी की ट्रेन से कटकर मौत

एजेंसी, पटना

- करौता स्टेशन के पास मिला शव, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

पटना के दानापुर रेल मंडल अंतर्गत खुसरूपुर नगर में एक व्यवसायी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान वार्ड नंबर दो, नीमतल निवासी 35 वर्षीय गणेश कुमार के रूप में हुई है। वे स्थानीय समाजसेवी जयनाथ दुबे उर्फ मगही बाबा के बेटे हैं। जानकारी के मुताबिक, घटना सोमवार देर रात दानापुर रेल खंड के करौता स्टेशन के समीप हुई। प्रारंभिक जानकारी में गणेश कुमार के किसी ट्रेन की चपेट में आने की बात सामने आई है। परिजनों के अनुसार, गणेश कुमार का व्यवसाय बख्तियारपुर में था। वे रोज सुबह ट्रेन से दुकान के लिए जाते थे और देर शाम या रात में वापस खुसरूपुर लौटते थे। सोमवार को भी वे दुकान बंद कर घर लौट रहे थे, लेकिन रास्ते में करौता स्टेशन के पास एक अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौत की आशंका है। गणेश कुमार की अचानक हुई मौत से परिवार और स्थानीय लोग स्तब्ध हैं। परिजनों का कहना है कि समाज में गणेश की पहचान एक बेहद मिलनसार और सीधे स्वभाव के व्यक्ति के रूप में थी। उसकी किसी के साथ कोई निजी दुश्मनी या अदावत नहीं थी। यही वजह है कि स्थानीय लोगों और परिजनों को उनकी मौत पर संदेह है। कुछ परिजन और स्थानीय लोग इस आशंका को भी सामने रख रहे हैं कि यह मामला वास्तव में एक रेल हादसा है या इसके पीछे कोई गहरी साजिश छिपी है। परिजनों की मांग है कि मामले की हर पहलू से जांच होनी चाहिए।

पटना समेत 8 जिलों में बारिश, पूरे बिहार में अलर्ट

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून पूरी तरह से एक्टिव है। पटना, बेगूसराय, सीवान, मधेपुरा, सुपौल में सुबह-सुबह बारिश हुई है। दोपहर में गयाजी, बगहा और पूर्णिया में झमाझम बारिश हुई है। आसमान में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने आज पूरे बिहार में बारिश की संभावना जताई है। पटना समेत 13 जिलों में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। जबकि 25 जिलों में यलो अलर्ट है। इन जिलों में हल्की बारिश के आसार हैं। विभाग के मुताबिक, अगले 5 दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए रह सकते हैं। कई जिलों में बारिश की भी संभावना है। 50 से 60Kmph की रफ्तार से हवा भी चल सकती है। तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट हो सकती है। पिछले 24 घंटों के दौरान खगड़िया, समस्तीपुर, सासाराम और जमुई में झमाझम बारिश हुई। वहीं, औरंगाबाद में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। वहीं, राजधानी पटना में दिनभर बादल छाए रहे। मंगलवार को कैमूर 38.7 डिग्री सेल्सियस के साथ राज्य का सबसे गर्म जिला रहा। वहीं, सासाराम का अधिकतम तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, जिन इलाकों में बारिश हुई, वहां तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। पटना का अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रहा। राजधानी में हल्की उमस जरूर रही, लेकिन ठंडी हवा चलने से लोगों को काफी राहत मिली।

खाना खा रहे बारातियों से मारपीट, 5 घायल एक को गंभीर हालत में अस्पताल भेजा

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र में स्थित उमानाथ मंदिर के पास एक होटल में देर रात बारातियों और स्थानीय लोगों के बीच जमकर मारपीट हो गई। इस घटना में पांच लोग घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह घटना देर रात लगभग 2:00 बजे की बताई जा रही है। घायल शशि शिंदे का इलाज बिहारशरीफ के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया है।

हलवाई के सामान से हमला, बारातियों में मची भगदड़ः प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह बारात हरनौत से उमानाथ स्थित कुंदन होटल पहुंची थी, जहां बाराती खाना खा रहे थे। इसी दौरान गुलाबबाग इलाके के कुछ स्थानीय लोगों से उनका विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी हिंसक झड़प में बदल गई। स्थानीय लोगों और होटल संचालक ने मिलकर हलवाई के इस्तेमाल वाले सामान छनौठे से बारातियों पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले के बाद बाराती खाना छोड़कर जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। बताया जा रहा है कि यह मारपीट आधे घंटे से भी अधिक समय तक सड़क पर चलती रही, जिसके बाद बाराती किसी तरह वहां से भागने में सफल रहे। हालांकि, इस दौरान पांच लोग घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर है।

घटना के बाद पहुंची पुलिस, कारण स्पष्ट नहींः सूचना मिलने के बाद बाढ़ थाना की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। एक स्थानीय ने दावा किया कि घटना के बाद तीन पुलिस गाड़ियां पहुंची थी, लेकिन जिस होटल में विवाद हुआ, उसके संचालक ने दुकान बंद कर दी और पुलिस से मिलने से बचता रहा। स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि उमानाथ मंदिर के पास होटलों में बाहरी लोगों के साथ अक्सर ऐसी मारपीट की घटनाएं होती रहती हैं। हालांकि, इस मामले में दोनों पक्षों के बीच विवाद की शुरुआत किस वजह से हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

विवाद की वजह साफ नहीं

बारात में लगभग 200 लोगों के लिए खाने का प्रबंध था, जिसमें से 127 लोग खाना खा चुके थे। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है।

हाईवे पर तैनात होंगी 100 नई एंबुलेंस स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार का ऐलान

एजेंसी, पटना

- कहा- अस्पतालों में सीसीटीवी लगाएंगे, मैं स्वयं नजर रखूंगा

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कई बड़े ऐलान किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही नेशनल हाईवे और स्टेट हाईवे पर 100 नई एंबुलेंस तैनात करेगी, ताकि कहीं भी सड़क हादसा हो तो राहत और उपचार की सुविधा तेजी से उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने बताया कि सड़क हादसों में बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राज्य में ट्रॉमा केयर व्यवस्था को भी मजबूत किया जा रहा है। इसके तहत 11 लेवल-3 ट्रॉमा सेंटर और 5 लेवल-3 अस्पताल विकसित करने की योजना पर काम चल रहा है।

सरकारी अस्पतालों में लगेंगे CCTV कैमरे, स्वयं करेंगे निरीक्षणः स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में चरणबद्ध तरीके से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी अस्पतालों का निरीक्षण करेंगे और कंट्रोल रूम से व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे। यदि कहीं कोई अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

504 दवाओं का लक्ष्य, अभी 350 उपलब्धः दवाओं की उपलब्धता को लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि विभाग ने सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में 504 प्रकार की दवाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया है। फिलहाल करीब 350 दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अस्पतालों और मेडिकल दुकानों से दवाओं के नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता की नियमित जांच कराई जाए।

मशीन खराब या दवा नहीं मिले तो दें सूचनाः स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यदि किसी अस्पताल में दवाएं उपलब्ध नहीं हैं या कोई मशीन खराब है, तो इसकी सूचना तत्काल स्वास्थ्य विभाग को दी जाए, ताकि बिना देरी के आवश्यक कार्रवाई की जा सके। सरकार का दावा है कि इन कदमों से आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी अस्पतालों की कार्यप्रणाली में सुधार लाया जाएगा।

पवन सिंह ने एमएलसी पद की शपथ ली

एजेंसी, पटना

बिहार विधान परिषद की 10 सीटों पिछले दिनों पर MLC निर्वाचित हुए। इन नवनिर्वाचित MLC को लेकर बिहार विधान परिषद के एनेक्सी में शहथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। सबसे पहले भोजपुरी एक्टर पवन सिंह ने MLC पद की शपथ ली। इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार, संजय मयूख, सुनिल कुमार सिंह समेत 10 MLC ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। सभापति अवधेश नारायण सिंह ने नवनिर्वाचित MLC को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में सीएम सम्राट चौधरी, सभापति अवधेश नारायण सिंह, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव मौजूद रहे। मंच पर डिप्टी सीएम विजय चौधरी के बगल में तेजस्वी यादव बैठे दिखे।

बता दें कि 20 दिन पहले बीजेपी से 4, जेडीयू से 4, एलजेपी (आर) और राजद से 1-1 कैंडिडेट्स ने निर्विरोध जीत हासिल की थी। हालांकि, मंत्री दीपक प्रकाश को NDA ने MLC नहीं बनाया। उनके मंत्री पद को लेकर कई कयास भी लगाए गए। दरअसल, 10 सीटों के लिए कुल 10 उम्मीदवारों ने ही नामांकन दाखिल किया था। सभी 10 निर्विरोध चुने गए थे।

ललन प्रसाद जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ और जमीनी स्तर के नेता हैं। इस चुनाव में उन्हें सबसे हाई-प्रोफाइल सीट दी गई थी। वे बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार द्वारा खाली की गई सीट पर निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

दानापुर में नमकीन दुकान से लाखों की चोरी, दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे

एजेंसी, पटना

- लाखों के गहने-80 हजार कैश ले उड़े, एक संदिग्ध हिरासत में

पटना के दानापुर थाना क्षेत्र के तकियापर निचली रोड स्थित कृष्णा नमकीन कॉर्नर में मंगलवार देर रात चोरी की घटना हुई। चोरों ने दुकान का दरवाजा तोड़कर गल्ले से करीब 80 हजार रुपये नकद और लाखों रुपये मूल्य के सोने के जेवरात चुरा लिए। यह घटना पुलिस चौकी से लगभग एक हजार गज की दूरी पर हुई है।

80 हजार कैश, लाखों के गहने ले उड़े चोरः दुकान की संचालिका अर्चना कुमारी ने बताया, 'मंगलवार रात करीब 11 बजे दुकान बंद कर वह अपने घर के ऊपरी हिस्से में सोने चली गई थीं। बुधवार सुबह करीब 6 बजे दुकान पहुंचने पर उन्होंने देखा कि दुकान के दरवाजे का एक पल्ला उखड़ा हुआ था। अंदर देखने पर गल्ले से लगभग 80 हजार रुपये नकद और एक शीशे की बोतल में रखे सिक्के गायब मिले। जांच करने पर पता चला कि ग्राहकों द्वारा सुरक्षित रखने के लिए दिए गए करीब 5 से 6 लाख रुपये मूल्य के सोने के जेवरात भी चोर अपने साथ ले गए थे। घटनास्थल से कुछ दूरी पर लगे सीसीटीवी कैमरे में तीन संदिग्ध चोरों की तस्वीरें कैद हुई हैं। फुटेज के आधार पर स्थानीय लोगों ने एक संदिग्ध युवक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई की। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और युवक को भीड़ से छुड़ाकर थाने ले गई।

5 जुलाई को बहुजन महापंचायत, सामाजिक न्याय-सम्मान को लेकर रखी 13 मांगें

एजेंसी, पटना

बहुजन महापंचायत आयोजन समिति ने पटना स्थित अंबेडकर शोध संस्थान में आयोजित प्रेस वार्ता किया। इस दौरान आगामी 5 जुलाई को भोजपुर जिले के जगदीशपुर प्रखंड स्थित लाल बिहारी सिंह टोला हाई स्कूल मैदान में बहुजन महापंचायत आयोजित करने घोषणा की गई। समिति ने कहा, कार्यक्रम का उद्देश्य बहुजन समाज के सम्मान, अधिकार, स्वाभिमान, सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करना है।

प्रेस वार्ता में समिति के सदस्यों ने कहा, 'लंबे समय से बहुजन समाज के महापुरुषों, जनप्रतिनिधियों और समाज के लोगों को जातिसूचक टिप्पणियों और अपमानजनक व्यवहार का सामना करना पड़ता रहा है।' उनका कहना था कि 'जब भी समाज के वंचित वर्गों से आने वाले लोग अधिकारों की बात करते हैं या संवैधानिक पदों तक पहुंचते हैं, तब उन्हें कई बार सामाजिक पूर्वाग्रहों का सामना करना पड़ता है।'

कई बड़े नेताओं के उदाहरण देकर उठाया मुद्दाः आयोजन समिति ने कहा, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कर्पूरी ठाकुर, बी.पी. मंडल, लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, जीतन राम मांझी तथा उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रामनरेश यादव, मुलायम सिंह यादव और मायावती सहित अनेक नेताओं को विभिन्न अवसरों पर जातिसूचक और अपमानजनक टिप्पणियों का सामना करना पड़ा। समिति ने सामाजिक न्याय के प्रखर नेता जगदेव प्रसाद के संघर्ष और बलिदान का भी उल्लेख करते हुए कहा कि सामाजिक समानता के लिए अनेक महापुरुषों ने कठिन संघर्ष किया है।

डॉ. आंबेडकर और संविधान के सम्मान की उठाई बातः समिति ने कहा कि भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा देश को दिए गए संविधान और उनके विचारों का पूरी दुनिया में सम्मान किया जाता है, लेकिन समय-समय पर उनकी प्रतिमाओं के साथ तोड़फोड़ तथा उनके अनुयायियों के साथ अपमानजनक व्यवहार की घटनाएं सामने आती रही हैं। समिति के अनुसार ऐसी घटनाएं सामाजिक समरसता और संविधान की मूल भावना के विपरीत हैं। प्रेस वार्ता में यह भी कहा गया कि हाल के वर्षों में विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों द्वारा जातिसूचक एवं अपमानजनक टिप्पणियां की गई हैं। समिति का कहना था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन किसी भी व्यक्ति या समाज के खिलाफ जाति के आधार पर अपमानजनक भाषा का प्रयोग स्वीकार्य नहीं होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

मुफ्फसिल थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोर गिरोह का किया पर्दाफाश, 5 बाइक, मास्टर चाबी समेत 4 गिरफ्तार

गुप्त सूचना पर छापेमारी, चोरी की बाइकें और पाट्र्स बरामद; शराब कारोबारियों को भी बेचता था गिरोह

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के मुफ्फसिल थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की पांच मोटरसाइकिल, एक मास्टर चाबी, बाइक के पाट्र्स तथा वाहन खोलने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए हैं। मामले में मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 424/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 29 जून 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के हुसुआहीं गांव निवासी श्यामबाबू कुमार, सुबल मुखिया और खलीफा मुखिया अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर मोटरसाइकिल चोरी करते हैं तथा चोरी की गाड़ियों को अपने घरों में छिपाकर रखते हैं। सूचना के सत्यापन के बाद सदर-2 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान श्यामबाबू कुमार के घर से एक चोरी की मोटरसाइकिल और मास्टर चाबी बरामद हुई। इसके बाद सुबल मुखिया के घर से एक चोरी की बाइक तथा खलीफा मुखिया के घर से तीन चोरी की मोटरसाइकिल, उनके पाट्र्स और वाहन खोलने में प्रयुक्त रिंच, प्लास सहित अन्य उपकरण बरामद किए गए। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपितों ने खुलासा किया कि वे राजा कुमार, रोशन कुमार और राहुल कुमार के साथ मिलकर संगठित तरीके से बाइक चोरी करते थे। चोरी की मोटरसाइकिलों को शराब कारोबारियों एवं अन्य लोगों को बेच दिया जाता था। पुलिस ने इस मामले में राहुल कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों में श्यामबाबू कुमार, सुबल मुखिया और खलीफा मुखिया (सभी निवासी हुसुआहीं, थाना मुफ्फसिल) तथा राहुल कुमार (निवासी चैलाहा, थाना बंजरिया) शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि बरामदगी में पांच चोरी की मोटरसाइकिल, एक मास्टर चाबी, मोटरसाइकिल के पाट्र्स तथा रिंच, प्लास सहित अन्य उपकरण शामिल हैं। वहीं गिरफ्तार खलीफा मुखिया के विरुद्ध पहले से चिरैया थाना कांड संख्या 422/25 और मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 553/24 (दोनों उत्पाद अधिनियम) के मामले दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है और पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है।

तुरकौलिया चौक पर अतिक्रमण हटाने के दौरान बड़ा हादसा टला, मलबे में दबने से बाल-बाल बचा जेसीबी चालक

हाई कोर्ट के आदेश पर चल रही कार्रवाई, अतिक्रमण में बाधा डालने वालों पर होगी एफआईआरः सीओ

बीएनएम@ तुरकौलिया। तुरकौलिया चौक पर अतिक्रमण हटाने के दौरान बुधवार को बड़ा हादसा होते-होते टल गया। पीडब्ल्यूडी की जमीन पर बने एक पक्के भवन को जेसीबी से तोड़े जाने के दौरान अचानक भवन का मलबा भरभराकर जेसीबी पर गिर पड़ा। हालांकि मलबा चालक की सीट पर नहीं गिरा, जिससे चालक बाल-बाल बच गया और एक बड़ा हादसा टल गया। हाई कोर्ट के आदेश के अनुपालन में पीडब्ल्यूडी की भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। वर्षों से अतिक्रमणकारियों द्वारा सरकारी जमीन पर पक्के मकान बना लिए गए थे। कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए जिले से भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। कई प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जब तक सरकारी भूमि पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त नहीं हो जाती, तब तक अभियान लगातार जारी रहेगा। मंगलवार को भी अतिक्रमण हटाने की कोशिश की गई थी, लेकिन एक युवक अपने मकान की छत पर चढ़ गया और शरीर पर पेट्रोल छिड़ककर दोबारा भूमि मापी एवं मुआवजे की मांग करने लगा। इसके कारण कुछ देर के लिए स्थिति तनावपूर्ण हो गई। बाद में बारिश शुरू होने के कारण उस दिन अभियान स्थगित कर दिया गया था। बुधवार को दोबारा अभियान शुरू किया गया और प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी रखी। अंचलाधिकारी संतोष कुमार ने कहा कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में बाधा उत्पन्न करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

बेतिया पुलिस की बड़ी कार्रवाईः हथियार खरीद-बिक्री की साजिश नाकाम, देसी पिस्टल के साथ तीन गिरफ्तार

बीएनएम@ बेतिया। पश्चिम चंपारण पुलिस ने अवैध हथियार की खरीद-बिक्री और किसी बड़ी वारदात की आशंका के बीच त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक देसी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, तीन स्मार्टफोन और दो मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं। मामले में नगर थाना में कांड संख्या 367/26 दर्ज कर फरार दो आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 30 जून 2026 की शाम करीब 7:30 बजे नगर थानाध्यक्ष को सूचना मिली कि दो मोटरसाइकिलों पर सवार पांच युवक हरिवाटिका रोड स्थित "क्लीन बेतिया" नामक दुकान के पास अवैध हथियार और गोली की खरीद-बिक्री के लिए एकत्र हुए हैं तथा किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सदर-1 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर मौके पर छापेमारी की गई। पुलिस वाहन को देखते ही पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक बाइक छोड़कर गली-गलियारों का फायदा उठाते हुए फरार हो गए। इसके बाद दुकान और वहां मौजूद युवकों की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान एक युवक के कमर से एक देसी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने मौके से तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो अन्य आरोपी फरार हो गए। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान 19 वर्षीय संतोष पासवान, 19 वर्षीय समीर आलम और 22 वर्षीय मो. औरंगजेब के रूप में हुई है। तीनों बानुछापर थाना क्षेत्र के बेलवनिया टोला वार्ड संख्या-29 के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपितों के विरुद्ध नगर थाना कांड संख्या 367/26, दिनांक 30 जून 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

पीएम श्री सुखिसेमरा 10+2 विद्यालय में वार्षिक परीक्षा शुरू, 550 छात्र-छात्राएं हुए शामिल

पहले दिन 12वीं का फिजिक्स और 10वीं का हिंदी पेपर, 3 जुलाई तक चलेगी परीक्षा

बीएनएम@ रामगढ़वा। पीएम श्री सुखिसेमरा 10+2 विद्यालय में बुधवार से कक्षा 9वीं, 10वीं और 12वीं की वार्षिक परीक्षा शुरू हो गई। पहले दिन 12वीं के विद्यार्थियों की भौतिकी (फिजिक्स) तथा 10वीं के छात्रों की हिंदी विषय की परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा को लेकर छात्र-छात्राओं में उत्साह का माहौल देखा गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहमद आजम ने बताया कि तीनों कक्षाओं के लगभग 550 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। परीक्षा को कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रत्येक परीक्षा कक्ष में दो-दो वीक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई है। साथ ही सभी कमरों में निगरानी की व्यवस्था की गई है। मुख्य प्रवेश द्वार पर जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है। पहली पाली सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक संचालित हो रही है। प्रश्नपत्र बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के पैटर्न पर आधारित हैं और अब तक परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो रही है। परीक्षा देकर निकली 12वीं की छात्रा अंजली कुमारी ने बताया कि फिजिक्स का प्रश्नपत्र संतुलित था, जबकि 10वीं के छात्र राहुल कुमार ने कहा कि हिंदी का पेपर आसान था और सभी प्रश्न निर्धारित पाठ्यक्रम से पूछे गए थे। प्रधानाचार्य ने बताया कि वार्षिक परीक्षा 3 जुलाई तक चलेगी। इसके बाद उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन शुरू किया जाएगा, ताकि समय पर परीक्षा परिणाम घोषित किए जा सकें।

लंबित मांगों को लेकर एलएनडी कॉलेज शिक्षक संघ का एक घंटे का प्रतिरोध प्रदर्शन, समय पर वेतन व प्रोन्नति की उठाई मांग

» एक घंटे का किया गया प्रतिरोध प्रदर्शन

बीएनएम@ मोतिहारी

बिहार राज्य विश्वविद्यालय शिक्षक महासंघ, पटना के 20 जून 2026 के आह्वान पर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर की इकाई लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय शिक्षक संघ ने बुधवार को महाविद्यालय परिसर में अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर एक घंटे का प्रतिरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान शिक्षक संघ के पदाधिकारियों एवं शिक्षकों ने राज्य सरकार तथा विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा सेवा-संबंधी समस्याओं के समाधान में हो रही देरी पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की। शिक्षकों ने कहा कि बार-बार ज्ञापन, अनुरोध और वार्ता के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं होने से शिक्षकों में व्यापक असंतोष व्याप्त है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध नहीं, बल्कि शिक्षकों के वैधानिक अधिकारों की रक्षा, उच्च शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा विश्वविद्यालय प्रशासन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। वहीं संघ सचिव डॉ. कुमार राकेश रंजन ने कहा कि शिक्षकों द्वारा शिक्षण, वीक्षण एवं परीक्षण जैसे सभी दायित्वों का समय पर निर्वहन करने के बावजूद नियमित वेतन नहीं मिलने से बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा, आवास ऋण, बैंक देनदारियों तथा अन्य घरेलू आवश्यकताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। संघ अध्यक्ष डॉ. राकेश रंजन कुमार ने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी की तरह शिक्षकों को भी समय पर वेतन मिलना उनका वैधानिक एवं नैतिक अधिकार है। उन्होंने सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन से प्रत्येक माह की पहली तारीख को सभी शिक्षकों के वेतन भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। शिक्षकों ने विश्वविद्यालय अधिनियम, विश्वविद्यालय स्टैच्यूट, यूजीसी के

प्रावधानों तथा अन्य लागू नियमों के अनुरूप पात्र शिक्षकों की समयबद्ध प्रोन्नति की मांग की। उनका कहना था कि वर्षों तक प्रोन्नति लंबित रहने से शिक्षकों की सेवा-उन्नति, आर्थिक प्रगति और मनोबल प्रभावित हो रहा है। सभी लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादन किया जाना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान सेवानिवृत्त शिक्षकों की समस्याओं पर भी चिंता व्यक्त की गई। शिक्षकों ने कहा कि पेंशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण एवं अन्य सेवानिवृत्ति लाभों का समय पर भुगतान प्रशासन की जिम्मेदारी है। कई सेवानिवृत्त शिक्षक आज भी अपने वैधानिक लाभों के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने को विवश हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। शिक्षकों ने नई पेंशन योजना (एनपीएस) के तहत वेतन से की गई कटौती तथा नियोजक के अंशदान को प्रत्येक माह संबंधित खातों में नियमित रूप से जमा करने की मांग की। साथ ही लंबित अंशदान को तत्काल जमा कर अद्यतन विवरण उपलब्ध कराने की भी मांग की गई। शिक्षक संघ ने कहा कि स्थानांतरण एवं प्रतिनियुक्ति की प्रक्रिया विश्वविद्यालय अधिनियम, विश्वविद्यालय स्टैच्यूट तथा प्रचलित नियमों के अनुरूप ही संचालित होनी चाहिए। किसी भी प्रकार की मनमानी, पक्षपात अथवा नियमों की अनदेखी न केवल शिक्षकों के अधिकारों का हनन करती है, बल्कि संस्थागत व्यवस्था एवं शैक्षणिक वातावरण को भी प्रभावित करती है। शिक्षकों ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा तभी संभव है, जब शिक्षकों की सेवा-संबंधी समस्याओं का समय पर समाधान हो। एक ओर शिक्षकों से शिक्षण, शोध, नवाचार, परीक्षा संचालन एवं प्रशासनिक दायित्वों के निर्वहन की अपेक्षा की जाती है, वहीं दूसरी ओर उनके वैधानिक अधिकारों की उपेक्षा उचित नहीं है। शिक्षकों ने सरकार एवं विश्वविद्यालय प्रशासन से सभी लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि समयबद्ध एवं संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई तो शिक्षक लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से चरणबद्ध आंदोलन चलाने को बाध्य होंगे। साथ ही विश्वास व्यक्त किया कि सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन उनकी न्यायोचित मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार करेगा। संघ कोषाध्यक्ष प्रो. अरविंद कुमार ने कहा कि शिक्षकों का उद्देश्य टकराव नहीं, बल्कि संवाद, न्यायपूर्ण समाधान और नियमसम्मत प्रशासनिक व्यवस्था की स्थापना है। सकारात्मक पहल होने पर शिक्षक समुदाय सदैव की भांति विद्यार्थियों के हित और विश्वविद्यालय के समग्र विकास के लिए पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करता रहेगा। मौके पर मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि प्रतिरोध प्रदर्शन में डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य, डॉ. आशीष कुमार, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. जौवाद हुसैन, डॉ. रविरंजन सिंह, डॉ. कुमारी मनीषा, डॉ. कविता कुमारी, डॉ. अनिता कुमारी, डॉ. बबीता कुमारी, डॉ. ज्योत्स्ना कुमारी, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. दीपक कुमार भगत, प्रधान सहायक राजीव कुमार, लेखापाल कामेश भूषण, संजीव किशोर, डॉ. भुवनेश्वर सिंह, सहायक लेखापाल मणिभूषण, अखिलेश कुमार सहित सभी शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मी एवं पेंशनर्स उपस्थित रहे।

मोतिहारी के परीक्ष्यमान डीएसपी रिषभ कुमार का तबादला, अब शेखपुरा में संभालेंगे यातायात व्यवस्था की जिम्मेदारी

बीएनएम@ मोतिहारी

बिहार सरकार के गृह विभाग द्वारा जारी प्रशासनिक तबादला आदेश के तहत पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) में पदस्थापित परीक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) रिषभ कुमार का स्थानांतरण शेखपुरा जिले में कर दिया गया है। बिहार पुलिस सेवा की 67वीं बैच (2024) के अधिकारी रिषभ कुमार को शेखपुरा में पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) के पद पर नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। मूल रूप से लखीसराय जिले के निवासी रिषभ कुमार ने मोतिहारी में अपने प्रशिक्षण एवं सेवा अवधि के दौरान अपनी कार्यकुशलता, अनुशासन और प्रभावी पुलिसिंग से अलग पहचान बनाई। सीमावर्ती एवं संवेदनशील जिले में उन्होंने कानून-व्यवस्था बनाए रखने, लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन तथा अपराधियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर उल्लेखनीय कार्य किया। भारत-नेपाल सीमा से जुड़े क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, असामाजिक तत्वों पर प्रभावी कार्रवाई करने तथा आम लोगों की शिकायतों का संवेदनशीलता के साथ त्वरित समाधान करने के कारण वे जनता के बीच एक लोकप्रिय और भरोसेमंद पुलिस अधिकारी के रूप में जाने गए। उनकी कार्यशैली की अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने भी सराहना की। प्रशासनिक आदेश के अनुसार रिषभ कुमार को तत्काल प्रभाव

से शेखपुरा में योगदान देने का निर्देश दिया गया है। माना जा रहा है कि मोतिहारी जैसे चुनौतीपूर्ण जिले में प्राप्त अनुभव का लाभ अब शेखपुरा की यातायात व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाने में मिलेगा। मोतिहारी के पुलिस अधिकारियों, सहकर्मियों एवं स्थानीय नागरिकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन की कामना की है।

हरसिद्धि में प्रशासनिक फेरबदलः नए बीडीओ और सीडीपीओ की नियुक्ति, आरओ रामसेवक पासवान बने पहाड़पुर के सीओ

बीएनएम@ हरसिद्धि/मोतिहारी

वर्षों बाद हरसिद्धि को मिला नियमित सीडीपीओ, लंबे समय से प्रभार में चल रहा था पद; प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी का पद भी करीब दस वर्षों से प्रभार के भरोसे

पूर्वी चंपारण जिले के हरसिद्धि प्रखंड में प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया गया है। सरकार के स्थानांतरण आदेश के तहत प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ), राजस्व पदाधिकारी (आरओ) और बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) के पदों पर नए अधिकारियों की तैनाती की गई है। इस बदलाव से प्रखंड प्रशासन और विभिन्न विभागों के कार्यों में नई गति आने की उम्मीद जताई जा रही है। आदेश के अनुसार अजय प्रकाश राय को हरसिद्धि का नया प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) बनाया गया है। वे जल्द ही अपना पदभार ग्रहण करेंगे। उनके नेतृत्व में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन, पंचायतों की निगरानी और प्रशासनिक कार्यों को गति मिलने की संभावना है। वहीं, हरसिद्धि के राजस्व पदाधिकारी (आरओ) रामसेवक पासवान का तबादला कर उन्हें पहाड़पुर का अंचलाधिकारी (सीओ) बनाया

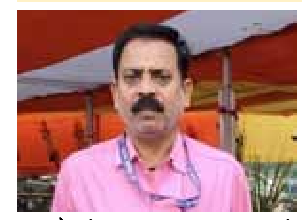

गया है। वे अब पहाड़पुर अंचल में राजस्व और भूमि संबंधी मामलों का दायित्व संभालेंगे। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव महिला एवं बाल विकास विभाग में हुआ है। काजल किरण को हरसिद्धि का नया बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि हरसिद्धि में सीडीपीओ का पद वर्षों से नियमित अधिकारी के अभाव में प्रभार के सहारे संचालित हो रहा था। ऐसे में नियमित सीडीपीओ की नियुक्ति से आंगनबाड़ी सेवाओं, पोषण अभियान तथा महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं के बेहतर संचालन की उम्मीद बढ़ गई है। हरसिद्धि प्रखंड में कई महत्वपूर्ण पद अब भी नियमित अधिकारियों की प्रतीक्षा में हैं। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) का पद भी लगभग दस वर्षों से प्रभार के भरोसे संचालित हो रहा है। शिक्षा विभाग से जुड़े लोगों का मानना है कि इस पद पर भी नियमित अधिकारी की नियुक्ति होने से विद्यालयों के संचालन, शैक्षणिक गतिविधियों की निगरानी तथा विभागीय कार्यों में और अधिक सुधार आएगा। स्थानीय लोगों ने सरकार के इस प्रशासनिक फेरबदल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि नए अधिकारियों के नेतृत्व में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी और आम जनता को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं मिल सकेंगी।

जिलाधिकारी ने पर्यवेक्षण गृह का किया निरीक्षण, बच्चों की शिक्षा एवं आधारभूत सुविधाओं पर दिया विशेष जोर

बीएनएम@ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव द्वारा बुधवार को पर्यवेक्षण गृह, मोतिहारी का निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान उन्होंने पर्यवेक्षण गृह में रह रहे बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया। वहीं निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने पर्यवेक्षण गृह के विभिन्न कक्षों, शयन कक्ष एवं स्वच्छता व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 एवं प्रचलित नियमों के अनुरूप सभी व्यवस्थाओं का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने बच्चों की शिक्षा पर विशेष बल देते हुए निर्देश दिया कि पर्यवेक्षण गृह में रह रहे सभी बच्चों को आवश्यक

पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएं तथा उनकी नियमित पढ़ाई सुनिश्चित की जाए, ताकि उनका शैक्षणिक विकास निर्बाध रूप से जारी रहे। साथ ही उन्होंने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए नियमित परामर्श, खेलकूद एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों के संचालन पर भी बल दिया। निरीक्षण के दौरान भवन में पाई गई कमियों पर गंभीरता व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने भवन निर्माण विभाग के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक मरम्मत एवं अन्य आधारभूत कमियों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि पर्यवेक्षण गृह में रह रहे प्रत्येक बच्चे के सर्वोत्तम हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक सुविधाएं समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से उपलब्ध कराई जाएं। निरीक्षण के दौरान सहायक निदेशक, बाल संरक्षण, पर्यवेक्षण गृह के अधीक्षक तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

पलनवा में मारपीट मामले में छह आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

बीएनएम@ रामगढ़वा

» कलिकापुर गांव में दो पक्षों के बीच हुई थी मारपीट, दोनों ओर से दर्ज हुई प्राथमिकी

पलनवा थाना क्षेत्र के कलिकापुर गांव में हुई मारपीट की घटना में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि दो पक्षों के बीच हुए विवाद को लेकर अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई है। पहले पक्ष की ओर से चंदन कुमार (30), पिता बद्री बैठा, सुनील बैठा (35), पिता गोबरी बैठा, अजीत बैठा (20), पिता मिश्री बैठा तथा श्रवण बैठा (26), पिता बद्री बैठा के विरुद्ध पलनवा थाना कांड संख्या 138/26 दर्ज किया गया है। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से सोनालाल बैठा (50), पिता आदलत बैठा तथा मुन्ना बैठा (26), पिता सोनालाल बैठा के खिलाफ थाना कांड संख्या 139/26 दर्ज की गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी आरोपियों पर मारपीट एवं झगड़ा करने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ के बाद सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

रामजानकी मार्ग परियोजना को मिली रफ्तार, राजपुर में भूमि की किस्म निर्धारण की प्रक्रिया शुरू

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चम्पारण में एनएच-227ए (रामजानकी मार्ग) परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज हो गई है। बुधवार को जिला भू अर्जन पदाधिकारी अरुण कुमार ने कल्याणपुर अंचल के मौजा-राजपुर अंतर्गत विभिन्न खेसरों की भूमि की किस्म निर्धारण (किस्म सत्यापन) की कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, एनएच-227 ए (रामजानकी मार्ग) परियोजना के लिए 3(ए) की अधिसूचना का राजपत्र (गजट) प्रकाशन 16 फरवरी 2026 को किया गया था। यह महत्वाकांक्षी परियोजना पूर्वी चम्पारण जिले के केसरिया, कल्याणपुर, चकिया, मेहसी, मधुबन, फेनहारा एवं

पताही अंचल से होकर गुजर रही है, जिसमें कुल 48 राजस्व ग्राम शामिल हैं। पूर्वी चम्पारण जिले में रामजानकी मार्ग परियोजना की कुल लंबाई 57.69 किलोमीटर निर्धारित है। भूमि की किस्म निर्धारण की कार्रवाई पूर्ण होने के बाद अधिग्रहण एवं मुआवजा वितरण की प्रक्रिया को गति मिलने की उम्मीद है।

71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल ने 12 मवेशियों को तस्करी से बचाया

बीएनएम@ मोतिहारी

71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मोतिहारी के कार्यक्षेत्र अंतर्गत समवाय बेलदरवामठ को आसूचना विभाग से सूचना प्राप्त हुई कि भारत-नेपाल सीमा पर ग्राम लहरटोला (इनरवा) के समीप कुछ तस्कर नेपाल से मवेशियों को भारत लाकर अवैध तस्करी करने की फिराक में हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए नाका दल ने तत्काल विशेष निगरानी और घेराबंदी शुरू की। प्रातः लगभग 3:55 बजे जवानों ने नेपाल की ओर से कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को मवेशियों के साथ भारतीय सीमा की ओर आते देखा। सुरक्षा बल के जवानों ने उन्हें रुकने का संकेत दिया, लेकिन एसएसबी की सतर्कता और सक्रियता को देखते हुए तस्कर अंधेरे का लाभ उठाकर मवेशियों को मौके पर छोड़ नेपाल की ओर फरार हो गए। तलाशी अभियान के दौरान कुल 12 मवेशी बरामद किए गए, जिनमें 3 गाय, 6 नर बछड़े तथा 3 मादा बछड़े शामिल हैं। बरामद सभी मवेशियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई

के लिए अदापुर पुलिस थाना को सुपुर्द कर दिया गया। 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भारत-नेपाल सीमा पर अवैध तस्करी एवं अन्य गैर-कानूनी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए निरंतर सतर्कता, सक्रियता और प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही है। सीमा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा तस्करी जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए एसएसबी द्वारा नियमित रूप से गश्त, निगरानी और विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

स्वच्छता से जुड़े लोगों को मिला सम्मान

सैकड़ों जरूरतमंदों के बीच बांटी गई सामग्री

बीएनएम@ समस्तीपुर। मोहिउद्दीन नगर प्रखंड क्षेत्र के करीमनगर पंचायत अंतर्गत हेमनपुर गांव में गूंज संस्थान एवं सूर्य नारायण सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को सैकड़ों गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद परिवारों के बीच आवश्यक उपयोग की सामग्री का वितरण किया गया। सामग्री पाकर लाभुकों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम का नेतृत्व सूर्य नारायण सेवा समिति के संस्थापक एवं वरिष्ठ पत्रकार उमाशंकर सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि पिछले कई महीनों से क्षेत्र के जिन लोगों ने सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाकर समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य किया है, उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गूंज संस्थान द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री का वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि समाज सेवा और स्वच्छता के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को आगे भी संस्था की ओर से सहयोग मिलता रहेगा।कार्यक्रम के दौरान हेमनपुर निवासी उमा देवी एवं समाजसेवी उमेश कुमार सिंह के हाथों जरूरतमंद परिवारों के बीच सामग्री का वितरण किया गया।

बिहार कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अमित कुमार को बड़ी जिम्मेदारी

एसपीजी में बने OSD; संभालेंगे प्रधानमंत्री की सुरक्षा

बीएनएम@ पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा संभालने वाले स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (SPG) में बिहार कैडर के 1994 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अमित कुमार को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (DoPT) ने उन्हें एसपीजी में विशेष ड्यूटी अधिकारी (OSD) के पद पर नियुक्त करने का आदेश जारी किया है। अमित कुमार फिलहाल केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) में स्पेशल महानिदेशक (स्पेशल डीजी) के पद पर कार्यरत हैं। सुरक्षा और प्रशासनिक क्षेत्र में लंबे अनुभव के आधार पर उन्हें अब देश की सबसे संवेदनशील सुरक्षा एजेंसी में महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। सरकारी आदेश के अनुसार, उनकी नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी। ओएसडी के रूप में वह एसपीजी की कार्यप्रणाली, प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था और संगठन के जटिल सुरक्षा प्रोटोकॉल की विस्तृत जानकारी हासिल करेंगे।मौजूदा एसपीजी निदेशक आलोक शर्मा का कार्यकाल 31 मार्च 2027 को समाप्त होना है। इसके बाद अमित कुमार के एसपीजी के निदेशक का पदभार संभालने की संभावना है।

पश्चिम चंपारण में 49 ग्रामीण सार्वजनिक पुस्तकालय बने ज्ञान के केंद्र

बीएनएम@ बेतियाः बेतिया पश्चिम चंपारण जिला परिषद द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और ज्ञान के प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 49 सार्वजनिक पुस्तकालय स्थापित किए गए हैं। जिला पदाधिकारी के नेतृत्व एवं पूर्व उप विकास आयुक्त सुमित कुमार के मार्गदर्शन में षष्ठम राज्य वित्त आयोग मद से संचालित इस पहल के तहत थरुहट महाविद्यालय हरनातांड, पंचायत सरकार भवन दक्षिण तेलुआ, उच्च माध्यमिक विद्यालय कुंडिलपुर समेत विभिन्न विद्यालयों और पंचायत सरकार भवनों में पुस्तकालय विकसित किए गए हैं। प्रत्येक पुस्तकालय में लगभग 1200 पुस्तकें, बुक शेल्फ, फर्नीचर, पंखे और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। इनमें एनसीईआरटी की पुस्तकों के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित अध्ययन सामग्री भी शामिल है। जिला परिषद का कहना है कि ये पुस्तकालय केवल अध्ययन केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, एकता और सामुदायिक विकास के महत्वपूर्ण मंच बन रहे हैं। इनका लाभ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के साथ-साथ विद्यालयी छात्र-छात्राओं को भी मिल रहा है।

वीटीआर के दैनिक वेतन भोगी वनकर्मियों का धरना शुरू

लंबित वेतन और 8 घंटे की ड्यूटी की मांग

बीएनएम@ बगहाः वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के दैनिक वेतनभोगी वनकर्मियों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। टीटी, पीपी, एपीसी, नाका गार्ड, वायरलेस ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर, कैंप लेबर और ड्राइवर सहित विभिन्न श्रेणी के कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर धरना शुरू कर दिया है। वन प्रमंडल-2 के हरनाटांड़ वनक्षेत्र कार्यालय से शुरू हुआ प्रदर्शन मदनपुर होते हुए अब मंगुराहा वनक्षेत्र तक पहुंच गया है।प्रदर्शनकारी वनकर्मियों का कहना है कि जनवरी 2026 से अब तक उनका वेतन लंबित है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है। उनका आरोप है कि उनसे 24 घंटे कार्य लिया जाता है, जबकि निर्धारित ड्यूटी अवधि आठ घंटे होनी चाहिए। आठ घंटे की ड्यूटी पूरी करने के बाद मुख्यालय में मौजूद नहीं रहने पर उन्हें अनुपस्थित दर्ज कर दिया जाता है। वनकर्मियों ने निर्णय लिया है कि जब तक लंबित वेतन का भुगतान नहीं होता और आठ घंटे की कार्य अवधि लागू नहीं की जाती, तब तक वे एपीसी कैंप में रखे जीपीएस मोबाइल, वायरलेस हैंडसेट और अन्य सरकारी सामग्री संबंधित वनरक्षी एवं वनपाल के पास जमा कर धरना जारी रखेंगे।

सशक्त स्थायी समिति ने निगम की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

बीएनएम@ बेतियाः नगर निगम बेतिया की सशक्त स्थायी समिति ने निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि समिति के गठन के बाद आयोजित दो सशक्त स्थायी समिति और एक बोर्ड की बैठक में जनहित एवं विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। समिति का कहना है कि इससे शहर के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और नागरिकों की अपेक्षाएं अधूरी रह रही हैं। जारी प्रेस वक्तव्य में समिति के सदस्यों ने आरोप लगाया कि उप महापौर और समिति की ओर से बिहार नगरपालिका अधिनियम, 2007 के तहत कई बार लिखित रूप से एजेंडा शामिल करने का अनुरोध किया गया, लेकिन विकास योजनाओं पर सार्थक चर्चा नहीं कराई गई। सदस्यों का यह भी कहना है कि कई बैठकों को घंटों स्थगित रखने के बाद बिना किसी निर्णय के समाप्त कर दिया गया, जो अधिनियम की भावना के विपरीत है। प्रेस वार्ता में उप महापौर गायत्री देवी, समिति सदस्य सहमत अली, कुणाल राज सर्राफ, जयप्रकाश यादव, विनय बागी, संदीप राय सहित कई वार्ड पार्षद एवं पार्षद प्रतिनिधि मौजूद रहे।

एसकेएमसीएच में डॉक्टरों की भारी कमी, प्रभावित हो सकती हैं स्वास्थ्य सेवाएं

बीएनएम@ मुजफ्फरपुर। उत्तर बिहार के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसकेएमसीएच) में डॉक्टरों की कमी गंभीर होती जा रही है। अस्पताल प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि अगले 10 दिनों के भीतर सीनियर रेजिडेंट चिकित्सकों की नई नियुक्ति नहीं हुई, तो कई महत्वपूर्ण विभागों की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। इसका असर प्रतिदिन इलाज के लिए आने वाले पांच हजार से अधिक मरीजों पर पड़ने की आशंका है।अस्पताल प्रशासन के अनुसार SKMCH में सीनियर रेजिडेंट के 205 स्वीकृत पद हैं, लेकिन आने वाले दिनों में केवल 56 सीनियर रेजिडेंट ही कार्यरत रह जाएंगे। कई डॉक्टरों का कार्यकाल अगले सप्ताह समाप्त हो रहा है, जिससे विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी और बढ़ जाएगी।सबसे अधिक चिंता मेडिसिन विभाग को लेकर है। यहां 16 स्वीकृत पदों के मुकाबले जल्द ही केवल दो सीनियर रेजिडेंट बचेंगे। यह विभाग रोजाना बड़ी संख्या में मरीजों का इलाज करता है, इसलिए डॉक्टरों की कमी से ओपीडी, वार्ड और आपातकालीन सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ने की संभावना है।हड्डी रोग विभाग की स्थिति भी चिंताजनक है। यहां 12 स्वीकृत पदों के मुकाबले केवल दो चिकित्सकों के भरोसे व्यवस्था चलाने की नौबत आ सकती है। वहीं एनेस्थीसिया विभाग, जो ऑपरेशन और आपातकालीन सर्जरी की रीढ़ माना जाता है, वहां 25 स्वीकृत पदों के मुकाबले सिर्फ तीन चिकित्सक ही उपलब्ध रह जाएंगे। इससे नियमित और आपातकालीन ऑपरेशन प्रभावित होने की आशंका है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. महेश प्रसाद ने बताया कि चिकित्सकों की कमी को लेकर स्वास्थ्य मुख्यालय को लगातार पत्र भेजे गए हैं और जल्द नई नियुक्तियां करने का अनुरोध किया गया है।

पीएम श्री उच्च माध्यमिक विद्यालय जिहुली में त्रैमासिक परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में जारी

नवम-दशम में हिंदी व संस्कृत, इंटर विज्ञान में भौतिकी-रसायन तथा वाणिज्य में ईपीएस व अकाउंटेंसी की परीक्षा संपन्न

बीएनएम@ पताही

प्रखंड क्षेत्र की जिहुली पंचायत स्थित पीएम श्री उच्च माध्यमिक विद्यालय जिहुली में सत्र 2026 की त्रैमासिक परीक्षा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शांतिपूर्ण, कदाचारमुक्त एवं अनुशासित वातावरण में आयोजित की जा रही है। बुधवार को कक्षा 9वीं, 10वीं एवं 12वीं के विभिन्न संकायों की परीक्षाएं सफलतापूर्वक संपन्न हुईं। परीक्षा के दौरान सभी विद्यार्थी निर्धारित समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचे और गंभीरता के साथ परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार कक्षा 9वीं एवं 10वीं के विद्यार्थियों की हिंदी एवं संस्कृत विषय की परीक्षा आयोजित की गई। वहीं 12वीं विज्ञान संकाय के छात्रों ने भौतिकी एवं रसायन विज्ञान की परीक्षा दी। इसके अलावा 12वीं वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों की ईपीएस (एंटरप्रेन्योरशिप) एवं अकाउंटेंसी विषय की परीक्षा भी शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमरेंद्र कुमार के नेतृत्व में परीक्षा का संचालन पूरी पारदर्शिता और अनुशासन के साथ किया गया। उन्होंने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा कदाचारमुक्त एवं निष्पक्ष परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रधानाध्यापक ने बताया कि त्रैमासिक परीक्षा विद्यार्थियों के शैक्षणिक मूल्यांकन का महत्वपूर्ण आधार है। इसका उद्देश्य उनकी तैयारी का आकलन कर आगामी परीक्षाओं के लिए बेहतर मार्गदर्शन प्रदान करना है। परीक्षा के सफल संचालन में विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस दौरान मो. परवेज आलम, विकास कुमार, मो. जलील हुसैन, अनंत झा, राजन कुमार, सुनीता कुमारी, नीता कुमारी, अपराजिता कुमारी, नेहा रानी, आशुतोष कुमार गर्ग, लाल बहादुर कुमार, मो. मोजाहिद हुसैन तथा परिचारी सुशांत कुमार ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए परीक्षा को व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि त्रैमासिक परीक्षा निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार आगामी दिनों में भी जारी रहेगी। सभी परीक्षाएं निष्पक्ष, अनुशासित एवं कदाचारमुक्त वातावरण में आयोजित की जाएंगी, ताकि विद्यार्थियों का समुचित शैक्षणिक मूल्यांकन सुनिश्चित किया जा सके।

पताही सीएचसी में धूमधाम से मनाया गया डॉक्टर्स डे, केक काटकर दी शुभकामनाएं

बीएनएम@ पताही

» चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों ने बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने का लिया संकल्प

प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पताही में बुधवार को राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने केक काटकर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और सेवा भावना के साथ बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में चिकित्सा प्रभारी डॉ. शंकर बैठा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ डॉ. बिपिन कुमार, डॉ. मोहन लाल प्रसाद, डॉ. परवेज आलम, डॉ. अमजद करीम, एमएंडई मुकेश कुमार, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक राज कुमार, रितेश पाठक, मदन कुमार, त्रिविक्रम कुमार एवं एएनएम सोनम कुमारी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। इस अवसर पर चिकित्सा प्रभारी डॉ. शंकर बैठा ने कहा कि डॉक्टरों की जिम्मेदारी केवल मरीजों का उपचार करना ही नहीं, बल्कि समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना भी है। उन्होंने सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को डॉक्टर्स डे की शुभकामनाएं देते हुए सेवा भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। वहीं डॉ. बिपिन कुमार ने कहा कि डॉक्टर का पेशा सेवा और समर्पण का प्रतीक है। हर परिस्थिति में मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराना चिकित्सकों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि टीम भावना के साथ कार्य करने से स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनती हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने मिलकर मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का संकल्प दोहराया।

शिकारगंज में पुलिस का बड़ा प्रहारः महाकुर्की अभियान के तहत छह आरोपियों के घरों पर कार्रवाई

बीएनएम@ शिकारगंज

» हत्या के प्रयास मामले में फरार अभियुक्तों पर शिकंजा, कुर्की की आशंका से दो आरोपियों ने किया आत्मसमर्पण

अपराध और फरार अभियुक्तों के खिलाफ चलाए जा रहे महाकुर्की अभियान के तहत शिकारगंज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हत्या के प्रयास के एक मामले में लंबे समय से फरार छह आरोपियों के घरों पर न्यायालय के आदेश के तहत कुर्की की कार्रवाई की। अभियान के दौरान दो अन्य आरोपियों ने कुर्की की आशंका से पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर इंस्पेक्टर सचिदानंद पांडे के नेतृत्व में शिकारगंज थानाध्यक्ष गोपाल कुमार एवं पुलिस टीम ने थाना कांड संख्या 49/26 में न्यायालय के आदेश के आलोक में कार्रवाई की। पुलिस बल बुलडोजर के साथ संबंधित गांवों में पहुंचा और फरार आरोपियों के घरों पर कुर्की की प्रक्रिया शुरू की। कार्रवाई के दौरान आरोपियों के घरों के दरवाजे, खिड़कियां सहित कई अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जिन छह आरोपियों के घरों पर कुर्की की कार्रवाई की गई, उनमें मोख्तार साहनी, दरोगा साहनी, मधुरेंद्र साहनी, मनीष साहनी, अवनीश साहनी और रजनीश साहनी शामिल हैं। वहीं थाना कांड संख्या 48/26 के दो आरोपी सुमन साहनी और रामचंद्र साहनी ने कुर्की की आशंका के चलते पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। दोनों को आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि फरार अपराधियों के विरुद्ध महाकुर्की अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कानून से बचने का प्रयास करने वाले किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

रक्सौल में राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे पर चिकित्सकों व सीए का सम्मान

भारत विकास परिषद ने उत्कृष्ट सेवा और राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए किया सम्मानित

बीएनएम@ रक्सौल

भारत विकास परिषद, शाखा–रक्सौल के तत्वावधान में बुधवार को अनुमंडलीय अस्पताल सभागार में राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान शहर के प्रतिष्ठित चिकित्सकों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को सामाजिक, व्यावसायिक एवं राष्ट्र निर्माण में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए गुलाब पुष्प, अंगवस्त्र और स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ। परिषद परिवार ने सभी अतिथियों एवं सम्मानित चिकित्सकों तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परिषद के अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी ने कहा कि डॉक्टर मानव जीवन के रक्षक हैं, जबकि चार्टर्ड अकाउंटेंट्स देश की आर्थिक व्यवस्था को मजबूत, पारदर्शी और अनुशासित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि समाज और राष्ट्र के विकास में दोनों वर्गों का योगदान प्रेरणादायी है और ऐसे कर्मयोगियों का सम्मान करना भारत विकास परिषद का दायित्व है। इस अवसर पर डॉ. श्रीराम प्रसाद, डॉ. मंजू जायसवाल, डॉ. स्वाति सपन, डॉ. विजय कुमार, डॉ. प्रभु जोसेफ, डॉ. सुजीत कुमार, डॉ. एस. के. सिंह, डॉ. उमेश प्रसाद, डॉ. प्रहस्त कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. अमित जायसवाल, डॉ. आदित्य प्रसाद, डॉ. बिपिशा श्रेष्ठ, डॉ. अरुण यादव, डॉ. शशि रंजन, डॉ. नारायण डालमिया, डॉ. मनीता, डॉ. चंदन कुमार, डॉ. अदिति गुप्ता तथा सीए प्रदीप अग्रवाल और सीए विजय केशान को सम्मानित किया गया। सम्मानित चिकित्सकों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने परिषद के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के सम्मान समारोह समाज में सेवा, समर्पण और उत्कृष्ट कार्यों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करते हैं तथा नई पीढ़ी को प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन संपर्क संयोजक उमेश कुमार सिकारिया, सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी बिमल कुमार सर्राफ तथा सुनील कुमार ने संयुक्त रूप से किया। समारोह का समापन कोषाध्यक्ष सुनील कुमार के धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर परिषद के रजनीश प्रियदर्शी, योगेन्द्र प्रसाद, उमेश सिकारिया, बिमल कुमार सर्राफ, नीतेश कुमार सिंह, विनोद कुमार, दिनेश प्रसाद, अरविंद जायसवाल, विनोद रौनियार, सुरेश धानोठिया, अजय कुमार सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं ने नई ऊंचाइयां हासिल कीं, अब रोबोटिक सर्जरी के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं: चौधरी

सरकार की दूरदर्शी नीतियों और निजी क्षेत्र की भागीदारी से मजबूत हुआ बिहार का स्वास्थ्य तंत्रः मंगल पांडेय

» बिग अपोलो अस्पताल में रोबोटिक सर्जरी सेवा का हुआ शुभारंभ, डॉक्टर दिवस एवं आठवां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

बीएनएम@ पटना

बिग अपोलो अस्पताल में बुधवार को डॉक्टर दिवस, अस्पताल का आठवां स्थापना दिवस तथा अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जरी सेवा के शुभारंभ के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी एवं बिहार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय की गरिमामयी उपस्थिति में हुयी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी ने सभी चिकित्सकों को डॉक्टर दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉक्टर समाज के लिए धरती पर भगवान का स्वरूप हैं, जो लोगों को नया जीवन देने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक रोबोटिक सर्जरी जैसी आधुनिक सुविधा के लिए मरीजों को बिहार से बाहर जाना पड़ता था, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था में आए व्यापक बदलावों के कारण अब यह सुविधा बिहार में ही उपलब्ध हो रही है। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार के स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन हुए हैं और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। सरकार की दूरदर्शी नीतियों का लाभ प्रदेश की जनता को मिल रहा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी बिहार की स्वास्थ्य सेवाओं और उन्नत बनाने के दिन दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। बढ़ती आबादी वाले बिहार में केवल सरकारी व्यवस्था से सभी नागरिकों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना संभव नहीं है, इसलिए निजी क्षेत्र की सकारात्मक भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। यह संस्थान आधुनिक तकनीक, विशेषज्ञ चिकित्सकों और अत्याधुनिक सुविधाओं के माध्यम से राज्य के लोगों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध करा रहा है। चिकित्सक और मरीज के बीच विश्वास सबसे बड़ी दवा होती है और यही विश्वास उपचार को सफल बनाता है। मंगल पांडेय ने अस्पताल के चेयरमैन डॉ. विजय प्रकाश की प्रतिबद्धता की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में अस्पताल लगातार नई चिकित्सा सुविधाएं जोड़ रहा है, जिससे बिहार स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रोबोटिक सर्जरी सेवा के माध्यम से हजारों मरीजों को बेहतर इलाज मिलेगा और बिहार आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी मजबूत पहचान स्थापित करेगा। इस अवसर पर अस्पताल के चेयरमैन डॉ. विजय प्रकाश ने कार्यक्रम में सभी चिकित्सकों को डॉक्टर दिवस की शुभकामनाएं दी तथा अस्पताल के आठ वर्षों की सफल यात्रा और रोबोटिक सर्जरी जैसी अत्याधुनिक सेवा के शुभारंभ पर भी शुभकामनाएं व्यक्त की। इस अवसर पर पटना साहिब विधायक रत्नेश कुशवाहा, डॉ. रश्मि सिंह, डॉ. अभय कुमार, डॉ. राजेश कुमार तिवारी, डॉ. नेकेश कुमार, डॉ. नीरव कुमार, डॉ. आमिर कुमार, मधुकर दयाल सहित अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक, विशेषज्ञ डॉक्टर, चिकित्सा कर्मी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

हरसिद्धि पुलिस के विशेष समकालीन अभियान में हत्या के प्रयास के तीन अभियुक्त समेत पांच गिरफ्तार

बीएनएम@ हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना क्षेत्र में चलाए गए विशेष समकालीन अभियान के तहत पुलिस ने हत्या के प्रयास के तीन प्राथमिक अभियुक्तों सहित कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी के विरुद्ध अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, हरसिद्धि थाना कांड संख्या 475/24 (हत्या के प्रयास) के प्राथमिक अभियुक्त जगीलाल कुमार उर्फ विरंजन कुमार, पिता वशिष्ठ सिंह, निवासी घोघराहा बैरिया को गिरफ्तार किया गया। वहीं हरसिद्धि थाना कांड संख्या 655/25 के प्राथमिक अभियुक्त रूपेश कुमार, पिता सुनर देव सहनी, निवासी धवही तथा हरसिद्धि थाना कांड संख्या 774/25 के प्राथमिक अभियुक्त जालिम साहनी, पिता स्व. पन्ना लाल साहनी, निवासी बवन धवही को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। इसके अलावा टीआर संख्या 1454/24 के वारंटी मोहनलाल गिरी, पिता स्व. रामानंद गिरी, निवासी जागापाकड़ तथा टीआर संख्या 1365/26 के इश्तिहार वारंटी मनउर अंसारी, पिता जलील अंसारी, निवासी मटियाररिया को भी पुलिस ने दबोच लिया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि विशेष समकालीन अभियान के तहत फरार अभियुक्तों एवं वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि अपराधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा और कानून से बचने की कोशिश करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

एल नीन्यो का उभार

इस बार मॉनसून कमजोर रहने की आशंका है। इस चुनौती के मद्देनजर सरकार ने क्या एहतियातन कदम उठाए हैं, इस बारे में उसे देश को भरोसे में लेना चाहिए, ताकि लोग घबराहट से बच सकें। मौसम को लेकर आशंकाएं बढ़ रही हैं। आधा जून गुजर चुका है और अटके मॉनसून के आगे बढ़ने की संभावना नहीं दिख रही है। मौसम विभाग के मुताबिक मानसूनी बारिश में अब तक 35 प्रतिशत की कमी दर्ज हो चुकी है। वैसे इस समय तक ऐसा होना असामान्य नहीं है, मगर चिंता बढ़ाने वाला पहलू एन नीन्यो परिघटना का सक्रिय हो जाना है। अमेरिका के राष्ट्रीय महासागरीय एवं वातावरणीय प्रशासन (एनओएए) ने 11 जून को एलान कर दिया कि भू-मध्यरेखा के पास प्रशांत महासागर में एल नीन्यो का उभार हो चुका है। एल नीन्यो प्रशांत महासागर में होने वाले उस बदलाव को कहते हैं, जिससे समुद्र का पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। इसका दुनिया भर के मौसम पर असर पड़ता है और भारत में अक्सर सूखा या कम बारिश होती है। 1951 के बाद से 17 बार एन नीन्यो का उभार हुआ है, उनमें से 12 बार भारत में सामान्य से कम बारिश हुई है। एनओएए ने 1951 के बाद 17 में छह एन नीन्यो को 'अति शक्तिशाली6 श्रेणी में रखा है। उसने कहा है कि इस बार का एन नीन्यो के भी 'अति शक्तिशाली6 होने की संभावना है। भारत में धान, दलहन, और सब्जियों की खेती मानसूनी बारिश पर काफी हद तक निर्भर रहती है। कम बारिश होने पर डेयरी क्षेत्र भी प्रभावित होता है। इसके अलावा भू-जल के स्वस्थ स्तर के लिए भी पर्याप्त बारिश अनिवार्य है।

कम बारिश होने का पनबिजली परियोजनाओं पर भी खराब असर होता है। इसलिए बन रही स्थिति को लेकर एहतियाती कदम उठाने की अवश्यकता है। भारत के मौसम विभाग ने सामान्य की तुलना में 90 फीसदी तक ही बारिश होने का अनुमान लगाया है। लेकिन संभव है कि यह उससे भी कम हो। और ये चुनौती उस समय आई है, जब ईरान युद्ध के कारण उर्वरकों के अभाव और महंगाई की समस्या पहले से मंडरा रही है। इसलिए ये सवाल अहम है कि इन चनौतियों का सामना करने के लिए सरकार ने क्या एहतियातन कदम उठाए हैं? इस बारे में उसे देश को भरोसे में लेना चाहिए, ताकि लोग घबराहट से बच सकें।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय : सरल, सादगी और संवेदनशीलता के साथ विकास यात्रा का सशक्त नेतृत्व

मनोज कुमार अग्रवाल

तेजबहादुर सिंह भुवाल

किसान परिवार से निकलकर छत्तीसगढ़ प्रदेश के सर्वोच्च नेतृत्व तक पहुंचने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने सरल व्यक्तित्व, विनम्र व्यवहार और जनसेवा की भावना से जनता के बीच एक अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री साय का सार्वजनिक जीवन सादगी, जनसेवा और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने के संकल्प का प्रतीक माना जाता है। लंबे समय तक जनप्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों, किसानों, वनवासियों, युवाओं, महिलाओं और वंचित वर्गों की समस्याओं को निकट से समझा और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। सत्ता के शीर्ष पद पर होने के बावजूद उनकी सादगी और सहजता आज भी उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

मुख्यमंत्री साय आम जनता से सीधे संवाद को लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मानते हैं। जनदर्शन, सुशासन तिहार और विभिन्न जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से वे स्वयं लोगों की समस्याएं सुनते हैं और उनके समाधान के लिए त्वरित पहल करते हैं। बुजुर्गों के प्रति सम्मान, बच्चों के प्रति स्नेह तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्परता उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान है। आदिवासी समाज से आने वाले मुख्यमंत्री साय अपनी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों से गहराई से जुड़े हुए हैं। गांवों में बैठकर लोगों से चर्चा करना, उनकी समस्याओं को समझना और विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। पिछले ढाई वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने जनकल्याण, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, अधोसंरचना, निवेश और सुशासन के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना रहा है।

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के माध्यम से लाखों महिलाओं को 1000 रुपए प्रतिमाह आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने 8,200 करोड़ रूपये का बजट महतारी वंदन योजना के लिए आवंटित किया है। महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ में महिलाओं के स्वावलंबन, स्वास्थ्य और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जो लाखों महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार ला रही है।

छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ किसान हैं। राज्य सरकार ने धान खरीदी को प्राथमिकता देते हुए किसानों से 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी सुनिश्चित की तथा लाखों किसानों को आर्थिक लाभ पहुंचाया।

प्रदेश में गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार ने बड़ी पहल करते हुए लाखों आवासों को स्वीकृति प्रदान की। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आवासीय सुविधाओं का विस्तार हुआ है। प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। तेज गति से चल रहे निर्माण कार्यों के चलते प्रदेश में लाखों जरूरतमंद परिवारों का पक्के घर का सपना साकार हो रहा है।

बस्तर के जंगलों में उत्पादित होने वाले तेंदूपत्ता, आदिवासी समाज की जिंदगी का अहम हिस्सा है। इसी तेंदूपत्ता के सहारे हजारों गांवों में गर्मियों के महीनों में रोज़गार मिलता है। इस काम में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल होती हैं, जिससे परिवार की कुल आय में संतुलन बनता है।

यही वजह है कि तेंदूपत्ता संग्रहण को सरकार ग्रामीण रोजगार का मजबूत जरिया मानती है। राज्य सरकार ने तेन्दूपत्ता संग्राहकों को बड़ी रहत देते हुए तेंदूपत्ता संग्रहण दर में अहम बदलाव किया है। पूर्व में मिलने वाली राशि को 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये किया है। यह बढ़ोतरी सीधे-सीधे संग्राहकों लाभ पहुंचा रही है। जानकारों के अनुसार पहले बढ़ती महंगाई के मुकाबले संग्रहण की दर कम पड़ रही थी, लेकिन नई दर से मजदूरी और मेहनत का बेहतर मूल्य मिल सकेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुरक्षा के साथ-साथ संवेदनशील पुनर्वास और विकास पर भी समान रूप से कार्य कर रही है। नक्सली सरेंडर, विक्टिम रिलीफ एंड रिहैबिलिटेशन पॉलिसी-2025 के तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों को वित्तीय सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण, रोजगार के अवसर तथा आवास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें सम्मानजनक और मुख्यधारा से जुड़ा जीवन प्रदान किया जा रहा है। एक नवंबर 2024 से लागू छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति 2024-30 राज्य को निवेश और उद्योगों के लिए नई पहचान दे रही है। न्यूनतम शासन, अधिकतम प्रोत्साहन के सिद्धांत पर आधारित यह नीति उद्योग स्थापना की प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल बनाती है।

व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम 2.0, पूरी तरह ऑनलाइन आवेदन, समयबद्ध स्वीकृति और त्वरित प्रोसेसिंग जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। इससे उद्यमियों को कम समय में आवश्यक अनुमतियाँ प्राप्त हो रही हैं और कारोबार करने में सुगमता बढ़ी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में मजबूत और आधुनिक परिवहन नेटवर्क के निर्माण पर विशेष जोर दिया गया है। राज्य में रेल, सड़क और हवाई संपर्क का तेजी से विस्तार हो रहा है, जिससे उद्योग, व्यापार, पर्यटन और आम नागरिकों की आवाजाही पहले से अधिक सुगम हुई है। छत्तीसगढ़ सरकार राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों का निरंतर उन्नयन, नई सड़कों और पुलों का निर्माण तथा दूरस्थ क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ने के प्रयासों ने प्रदेश की कनेक्टिविटी को नई गति दी है। इससे माल परिवहन की लागत और समय में कमी आई है, जिससे उद्योगों और निवेशकों को सीधा लाभ मिल रहा है। राज्य शासन की पहल से रेल नेटवर्क के विस्तार और नई रेल परियोजनाओं के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्रों, खनिज संपदा वाले इलाकों और प्रमुख शहरों को बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं, हवाई सेवाओं के विस्तार, नए एयर रूट और बेहतर विमानन सुविधाओं से राज्य की राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच और भी मजबूत हुई है। बेहतर परिवहन अवसंरचना के कारण छत्तीसगढ़ आज निवेश, व्यापार और पर्यटन के लिए अधिक आकर्षक बन रहा है। यह मजबूत कनेक्टिविटी राज्य के समग्र आर्थिक विकास को नई दिशा देने के साथ-साथ रोजगार और क्षेत्रीय विकास के नए अवसर भी सृजित कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध कठोर रुख अपनाते हुए प्रशासनिक जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। योजनाओं में लापरवाही और अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को शासन की आधारशिला बनाया है। भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत प्रशासन को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और जन-केंद्रित बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए हैं। सरकार ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए भ्रष्टाचार के मामलों में त्वरित जांच, दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई, तथा अनियमितताओं में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों की निगरानी को तकनीक आधारित बनाया गया है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों मजबूत हुई हैं। इसके लिए ई-ऑफिस, सिंगल विंडो सिस्टम 2.0, ई-गवर्नेंस और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से प्रशासन को अधिक पारदर्शी, सरल और जवाबदेह बनाया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और जनोन्मुखी बनाने के लिए सुशासन तिहार के माध्यम से प्रदेश में कही भी औचक निरीक्षण की व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू किया है। मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, वरिष्ठ अधिकारी एवं जिला प्रशासन द्वारा नियमित औचक निरीक्षणों के माध्यम से जिलों के सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों, विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, राशन दुकानों और विभिन्न विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति का प्रत्यक्ष आकलन किया जा रहा है।

इन निरीक्षणों के दौरान लापरवाही, अनियमितता और भ्रष्टाचार के मामलों में तत्काल कार्रवाई, जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई तथा आवश्यक सुधार के निर्देश दिए जा रहे हैं। इससे प्रशासनिक तंत्र में अनुशासन बढ़ा है और अधिकारियों की जवाबदेही पहले की तुलना में अधिक मजबूत हुई है। औचक निरीक्षणों के परिणामस्वरूप सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, समयबद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है। आम नागरिकों को मिलने वाली सेवाओं में सुधार आया है तथा जनता का शासन व्यवस्था पर विश्वास और अधिक सुदृढ़ हुआ है।

लेखक सहा. जनसंपर्क अधिकारी है।

सफेद कोट में बसती है उम्मीद की सबसे बड़ी ताकत

योगेश कुमार गोयल

चिकित्सकों के समाज के प्रति समर्पण एवं प्रतिबद्धता के लिए कृतज्ञता और आभार व्यक्त करने तथा मेडिकल छात्रों को प्रेरित करने के लिए प्रतिवर्ष एक जुलाई को 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस' मनाया जाता है। इस साल राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस 'मुखौटे के पीछेः चिकित्सकों का उपचार कौन करता है?' (Behind the Mask: Who Heals the Healers?) विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय डॉक्टरों की भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक भलाई को स्वीकार करने और उसका समर्थन करने की आवश्यकता पर बल देता है, यह स्वीकार करते हुए कि उन्हें भी देखभाल और समर्थन की आवश्यकता है जबकि वे अपना जीवन दूसरों की देखभाल के लिए समर्पित करते हैं। वैसे चिकित्सक दिवस मनाने का मूल उद्देश्य चिकित्सकों की बहुमूल्य सेवा, भूमिका और महत्व के संबंध में आमजन को जागरूक करना, चिकित्सकों का सम्मान करना और साथ ही चिकित्सकों को भी उनके पेशे के प्रति जागरूक करना है। दरअसल कुछ चिकित्सक ऐसे भी देखे जाते हैं, जो अपने इस सम्मानित पेशे के प्रति ईमानदार नहीं होते लेकिन ऐसे चिकित्सकों की भी कमी नहीं, जिनमें अपने पेशे के प्रति समर्पण की कमी नहीं होती। बिना चिकित्सा व्यवस्था के इंसान की जिंदगी कैसी होती, इसकी कल्पना मात्र से ही रोम-रोम सिहर जाता है। यही कारण है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में चिकित्सकों का महत्व सदा से रहा है और हमेशा रहेगा।

भारतीय समाज में चिकित्सकों को भगवान के समान दर्जा दिया गया है। हालांकि यह अलग बात है कि निजी अस्पतालों में डॉक्टरों और अन्य स्टाफ की भूमिका पर अक्सर सवाल उठते रहे हैं लेकिन यह भी सच है कि चिकित्सक लोगों को विभिन्न प्रकार की घातक बीमारियों से निजात दिलाने में पूरी ताकत लगा देते हैं। भारत में चिकित्सक दिवस की स्थापना वर्ष 1991 में हुई थी। पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री और जाने-माने चिकित्सक डा. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में चिकित्सकों की उपलब्धियों तथा चिकित्सा क्षेत्र में नए आयाम हासिल करने वाले डॉक्टरों के सम्मान के लिए इसका आयोजन होता है। वे एक जाने-माने चिकित्सक, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और वर्ष 1948 से 1962 में जीवन के अंतिम क्षणों तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर, बिधाननगर, अशोकनगर, कल्याणी तथा हबरा नामक पांच शहरों की स्थापना की थी। संभवतः इसीलिए उन्हें पश्चिम बंगाल का महान वास्तुकार भी कहा जाता है। कलकत्ता विश्वविद्यालय से मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने वर्ष 1911 में एमआरसीपी और एफआरसीएस की डिग्री लंदन से ली। उन्होंने एक साथ फिजिशयन और सर्जन की रॉयल कॉलेज की सदस्यता हासिल कर हर किसी को अपनी प्रतिभा से हतप्रभ कर दिया था। वर्ष 1911 में भारत में ही एक चिकित्सक के रूप में उन्होंने अपने चिकित्सा कैरियर की शुरूआत की। वे कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में शिक्षक नियुक्त हुए। वर्ष 1922 में वे कलकत्ता मेडिकल जनरल के सम्पादक और बोर्ड के सदस्य बने। 1926 में उन्होंने अपना पहला राजनीतिक भाषण दिया और 1928 में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सदस्य भी चुने गए।

डा. बिधान चंद्र रॉय ने 1928 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के गठन और भारत की मेडिकल काउंसिल (एमसीआई) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कई बड़े-बड़े पदों पर रहने के बाद भी वे प्रतिदिन गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज किया करते थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् उन्होंने अपना समस्त जीवन चिकित्सा सेवा को समर्पित कर दिया। बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं को आम जनता की पहुंच के भीतर लाने के लिए वे जीवन पर्यन्त प्रयासरत रहे। 4 फरवरी 1961 को उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 1967 में दिल्ली में उनके सम्मान में डा. बी.सी. रॉय स्मारक पुस्तकालय की स्थापना हुई और 1976 में उनकी स्मृति में केन्द्र सरकार द्वारा डा. बी.सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना की गई। संयोगवश डा. रॉय का जन्म और मृत्यु एक जुलाई को ही हुई थी। उनका जन्म 1 जुलाई 1882 को पटना में हुआ था और मृत्यु 1 जुलाई 1962 को हृदयाघात से कोलकाता में हुई थी।

भारत के अलावा दूसरे देशों में भी चिकित्सकों के सम्मान में ऐसे ही दिवस मनाए जाते हैं किन्तु वहां उनका आयोजन अलग-अलग तारीखों में होता है। वैसे चिकित्सक दिवस की शुरूआत सबसे पहले अमेरिका के जॉर्जिया में हुई थी। वहां चिकित्सकों के सम्मान के लिए एक दिन निश्चित करने का सुझाव जॉर्जिया निवासी डा. चार्ल्स बी एलमंड की पत्नी यूडोरा ब्राउन एलमंड ने 30 मार्च 1933 को दिया था। 30 मार्च 1958 को यूएस के हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स ने उनके उस सुझाव को स्वीकार करते हुए यह दिवस मनाना शुरू किया। वहां इसके लिए 30 मार्च की तारीख इसलिए रखी गई क्योंकि जॉर्जिया में इसी दिन डा. क्राफोर्ड डब्ल्यू लोंग ने पहली बार ऑपरेशन के लिए एनेस्थीसिया का उपयोग किया था। जहां अमेरिका में 30 मार्च को चिकित्सक दिवस मनाया जाता है, वहीं वियतनाम में इसकी स्थापना 28 फरवरी 1955 को हुई थी और वहां तभी से 28 फरवरी को या उसके आसपास वाले किसी दिन यह दिवस मनाया जाता है। ब्राजील में महान चिकित्सक रहे कैथोलिक चर्च के सेंट ल्यूक के जन्मदिवस के अवसर पर 18 अक्तूबर को जबकि क्यूबा में पीले बुखार पर शोध करने वाले चिकित्सक कार्लोस जुआन फिनले के जन्मदिवस 3 दिसम्बर को यह दिवस मनाया जाता है। नेपाल में यह दिवस नेपाल मेडिकल एसोसिएशन की स्थापना के बाद 4 मार्च को तथा ईरान में महान चिकित्सक एविसेना के जन्मदिवस के अवसर पर 23 अगस्त को मनाया जाता है।

बहरहाल, चूंकि चिकित्सकों को पृथ्वी पर भगवान का रूप माना गया है, इसलिए समाज की भी उनसे यही अपेक्षा रहती है कि वे अपना कर्त्तव्य ईमानदारी और पूरी निष्ठा के साथ निभाएं। हालांकि निजी अस्पतालों के कुछ चिकित्सकों पर मरीजों और उनके परिजनों के साथ लापरवाही और लूट के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। दरअसल निजी चिकित्सा तंत्र मुनाफाखोरी के व्यवसाय में परिवर्तित हो चुका है लेकिन फिर भी इस दीगर सच को भी नकारा नहीं जा सकता कि कोरोना हो या कैंसर, हृदय रोग, एड्स, मधुमेह इत्यादि कोई भी बीमारी, छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी बीमारियों से चिकित्सक ही करोड़ों लोगों को उबारते हैं। (लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा 'सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई चर्चित पुस्तकों के लेखक हैं)

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज ऑफिस में आप किसी कलीग के काम में मदद करेंगे। बिजनेस में आज आपको ज्यादा धन लाभ के योग बन रहे है। आज आपके घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। माता को उनकी पसंद का गिफ्ट दे सकते हैं। बिजनेस में निवेश के लिए सही समय की प्रतीक्षा करें।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप जिस काम को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे थे वह आज पूरा हो जायेगा, आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। आज मित्र आपकी आर्थिक स्थिति में मदद करेंगे, आपकी दोस्ती में मजबूती आएगी। इस राशि के जो लोग किसी बिजनेस से जुड़े हैं उनका दिन आज व्यस्तता से भरा रहेगा। वर्क फ्रॉम होम कर रहे लोगों का काम अच्छा चलेगा, धन लाभ होगा।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपका कोई ख़ास मुद्दा सुलझ सकता है। लवमेट आज कहीं घूमने की योजना बना सकते हैं। कार्यस्थल पर आज नया कम करने को मिलेगा जिसे आप बखूबी पूरा करेंगे। बिल्डर्स के लिए आज का दिन अच्छा है, नये कॉन्ट्रैक्ट से बड़ा मुनाफा होगा। अपनी स्किल पर ज्यादा से ज्यादा काम करें आपको भविष्य में इसका अच्छा लाभ मिलेगा।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपका मन धार्मिक गतिविधियों में लगेगा आप किसी मंदिर जायेंगे। पुराना फंसा हुआ धन आज मिल सकता है। परिवार में सुख-सुविधाएं बनी रहेगी। आज फालतू की गतिविधियों में समय न ख़राब करें। छात्रों के लिए भी आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। आपके अच्छे प्रदर्शन का प्रभाव आपके करियर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आप अपने कामकाज में थोड़ा व्यस्त रह सकते हैं लेकिन शाम तक कार्य बेहतर तरीके से पूर्ण भी हो जाएंगे। आज आप किसी काम के टारगेट को पूरा कर लेंगे साथ ही दूसरे टारगेट पर विचार भी करेंगे। आज आप किसी दोस्त की बर्थडे पार्टी में जा सकते हैं जहाँ हँसी-खुशी का माहौल बना रहेगा। आज छात्र किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप अपने सरल स्वाभाव के कारण मिलने-जुलने वाले लोगों से अच्छा लाभ उठाएंगे। आज आप किसी बहुमूल्य वस्तु की खरीद में पैसा खर्च करेंगे। आज आपकी भौतिक सुख-सुविधाएं बनी रहेगी। आर्थिक रूप से पुरानी बहुमूल्य चीज़ों के मोल भाव पर लाभ होगा।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। घरवालों की इच्छा पूरी करने की आप पूरी कोशिश करेंगे। इस राशि की महिलाएं घर और ऑफिस दोनों जगह उचित सामंजस्य बनाकर रखेंगी, इससे सुख-शांति बनी रहेगी। आज पारिवारिक जीवन में चल रहे कुछ महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे। अपना व्यवहार सकारात्मक बनाए रखें। भविष्य के लिये बनायी योजनाओं पर भी आज कुछ सोच- विचार कर सकते हैं।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार की अचानक मुलाकात से आपको बेहद खुशी मिलेगी। आज आपको किसी इम्पोर्टेन्ट काम के सिलसिले में लंबी यात्रा के योग है, ये यात्रा आपके लिए लाभदायक साबित होगी। जो लोग मूर्ति के व्यापार से जुड़े हैं, आज उनको बड़ा प्रोजेक्ट मिलेगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपको कार्यक्षेत्र में कुछ नए काम भी दिए जा सकते है। आज आपको बिजनेस और कार्यक्षेत्र से जूड़ी यात्रा भी करनी पड़ सकती है, जिसका फायदा आपको आने वाले समय में होगा। इस राशि के नौकरी करने वालों का आज प्रमोशन हो सकता है, जिससे मन प्रसन्न होगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आपकी संतान में कुछ पॉजिटिव चेंजेस आने की वजह से आपको खुशी होगी। आज आप सपरिवार किसी रिश्तेदार के घर फंक्शन में जा सकते हैं। आज कार्यस्थल पर सभी के साथ बढ़िया ताल-मेल बना कर रहेंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपके किसी काम में कलीग की सहायता मिलेगी, काम समय से पूरा हो जायेगा। आज लिए हुए कुछ फैसले पर आप दोबारा सोच-विचार करेंगे। आज आप किसी को अपने विचार से सहमत कराने की कोशिश करते हैं, तो आपके लिए दिन शुभ रहेगा।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए ताजगी से भरा रहने वाला है। आज ऑफिस में काम को लेकर आपकी अहमियत बढ़ेगी। आज आप खुद के काम से खुश होंगे। बड़े लोग आपके काम की तारीफ करेंगे। साथ ही आज कुछ जूनियर आपसे काम सीखने की इच्छा जाहिर करेंगे। इस राशि के जो लोग राजनीति के क्षेत्र से जुड़ें है आज उनके किसी पूराने काम की तारीफ होने की संभावना है।

डिजिटल इंडिया के 11 वर्ष : डिजिटल क्रांति से सशक्त हुआ भारत

0-11 वर्षों में शासन, भुगतान, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि तक डिजिटल पहुंच का अभूतपूर्व विस्तार

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम 1 जुलाई 2026 को अपने 11 वर्ष पूरे कर रहा है। वर्ष 2015 में शुरू हुई इस महत्वाकांक्षी पहल ने भारत में नागरिकों के जुड़ने, सीखने, लेन-देन करने और सरकारी सेवाओं का लाभ लेने के तरीके में व्यापक बदलाव किया है। आज भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) तंत्रों में से एक विकसित कर चुका है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, कौशल विकास, बैंकिंग और कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक सुनिश्चित हुई है। डिजिटल इंडिया ने सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी, तेज, सरल और नागरिक-केंद्रित बनाया है। पहले जहां सरकारी सेवाओं के लिए लंबी कतारें, कागजी प्रक्रिया और कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, वहीं अब अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं। डिजिटल अवसंरचना में निवेश के कारण गांवों से लेकर शहरों तक इंटरनेट कनेक्टिविटी मजबूत हुई है और किफायती इंटरनेट ने डिजिटल तकनीक को आम नागरिक तक पहुंचाया है। पिछले एक दशक में भारत डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी बनकर उभरा है। एकीकृत भुगतान अंतरफलक (यूपीआई) के माध्यम से विश्व के लगभग 49 प्रतिशत रियल-टाइम डिजिटल भुगतान हो रहे हैं। देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 12 से 14 प्रतिशत का योगदान दे रही है, जिसके अगले दशक में लगभग 20 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है।

डिजिटल इंडिया के नौ प्रमुख स्तंभ

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम नौ प्रमुख स्तंभों पर आधारित है, जिनका उद्देश्य डिजिटल पहुंच, सुशासन और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना है।

ब्रॉडबैंड राजमार्ग : भारतनेट परियोजना के तहत जनवरी 2026 तक लगभग 2.15 लाख ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है। लगभग सात लाख किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर बिछाई गई है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में ई-शासन, ऑनलाइन शिक्षा, टेली-चिकित्सा और डिजिटल भुगतान को गति मिली है।

सभी तक मोबाइल संपर्कः मार्च 2026 तक देश में ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 106.58 करोड़ हो गई है, जिससे अंतिम छोर तक डिजिटल संपर्क मजबूत हुआ है।

सार्वजनिक इंटरनेट पहुंचः देशभर में 6.5 लाख से अधिक सामान्य सेवा केंद्र तथा 1.6 लाख डाकघर डिजिटल सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। ये केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग, प्रमाण-पत्र, सरकारी योजनाओं और अन्य नागरिक सेवाओं की आसान पहुंच सुनिश्चित कर रहे हैं।

ई-शासनः डिजिटल लॉकर तथा राष्ट्रीय एकल साइन-ऑन प्रणाली जैसे मंचों के माध्यम से प्रमाण-पत्र, आवेदन, भुगतान और सरकारी सेवाएं अब कागजरहित और सरल हो गई हैं।

ई-क्रांतिः ई-अस्पताल, ई-संजीवनी और ई-न्यायालय जैसी सेवाओं ने स्वास्थ्य एवं न्याय व्यवस्था को डिजिटल बनाया है। ई-न्यायालय परियोजना के तहत 660 करोड़ से अधिक पृष्ठ डिजिटल रूप में परिवर्तित किए जा चुके हैं तथा 1.07 करोड़ मामलों की ऑनलाइन दाखिल प्रक्रिया पूरी हुई है।

सभी के लिए सूचनाः माईगव और मुक्त सरकारी आंकड़ा मंच के माध्यम से नागरिकों को सरकारी योजनाओं एवं सूचनाओं तक वास्तविक समय में पहुंच मिल रही है।

इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माणः वर्ष 2014-15 में जहां इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 1.9 लाख करोड़ रुपये था, वहीं मार्च 2026 तक यह बढ़कर लगभग 12 लाख करोड़ रुपये हो गया है। भारत अब विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता बन चुका है।

रोजगार के लिए सूचना प्रौद्योगिकी

सूचना प्रौद्योगिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी आधारित सेवा उद्योग ने वर्ष 2025 में 283 अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व अर्जित किया। देश में 2,100 से अधिक वैश्विक क्षमता केंद्रों में लगभग 26 लाख पेशेवर कार्यरत हैं।

त्वरित प्रभाव कार्यक्रमः बायोमेट्रिक उपस्थिति, सुरक्षित सरकारी ई-मेल, सार्वजनिक वाई-फाई, डिजिटल पुस्तकें और संदेश आधारित मौसम चेतावनी जैसी पहलों ने डिजिटल शासन को मजबूत किया।

जेएएम त्रयी बनी डिजिटल परिवर्तन की आधारशिलाः जन-धन खाते, आधार और मोबाइल संपर्क ने वित्तीय समावेशन तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव किया है। फरवरी 2026 तक जन-धन खातों की संख्या बढ़कर 57.78 करोड़ हो गई, जबकि आधार नामांकन 144 करोड़ से अधिक पहुंच गया। जून 2026 तक 176 करोड़ लाभार्थियों को 51 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे उनके खातों में भेजी जा चुकी है।

आधार बना विश्व के लिए मॉडलः

आधार ने सुरक्षित बायोमेट्रिक पहचान के माध्यम से बैंकिंग, सरकारी योजनाओं और सार्वजनिक सेवाओं तक करोड़ों लोगों की पहुंच आसान बनाई। 30 अप्रैल 2025 तक 2,393 करोड़ से अधिक ई-केवाईसी (इलेक्ट्रॉनिक ग्राहक सत्यापन) लेन-देन दर्ज किए गए। आधार अनुप्रयोग के नवीन संस्करण को पांच माह में ही 3.1 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया गया।

डिजिटल लॉकर और यूपीआई की बढ़ती ताकतः मार्च 2026 तक डिजिटल लॉकर पर 70.69 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता पंजीकृत हो चुके हैं तथा 850 करोड़ से अधिक डिजिटल दस्तावेज जारी किए जा चुके हैं। यूपीआई ने भारत में डिजिटल भुगतान को नई ऊंचाई दी है। वर्ष 2016-17 में केवल दो करोड़ लेन-देन से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 24,162 करोड़ से अधिक लेन-देन दर्ज किए गए। यूपीआई अब नौ देशों तक पहुंच चुका है।

स्वास्थ्य सेवाओं में डिजिटल बदलावः ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली के माध्यम से 24 जून 2026 तक 1.37 करोड़ से अधिक ऑनलाइन चिकित्सकीय अपॉइंटमेंट दर्ज किए गए। ई-संजीवनी मंच के जरिए 48 करोड़ से अधिक टेली-परामर्श उपलब्ध कराए गए तथा 2.3 लाख से अधिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाता इससे जुड़े हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान आरोग्य सेतु और कोविन मंच ने देश के टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कोविन के माध्यम से 220 करोड़ से अधिक टीकों का प्रबंधन किया गया। टेली मानस सेवा मानसिक स्वास्थ्य सहायता के लिए 40.42 लाख से अधिक कॉल संभाल चुकी है।

व्यापार और उद्योग को डिजिटल बलः सरकारी ई-बाजार (जीईएम) के माध्यम से जून 2026 तक 18.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की खरीद दर्ज की गई तथा 11 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को सरकारी बाजार उपलब्ध हुआ। डिजिटल वाणिज्य के लिए मुक्त नेटवर्क (ओएनडीसी) 20 करोड़ से अधिक खरीदारों, पांच लाख विक्रेताओं और एक हजार शहरों तक पहुंच चुका है। इससे छोटे व्यापारियों को व्यापक बाजार मिला है।

सामाजिक कल्याण योजनाओं की डिजिटल पहुंचः उमंग मंच पर जून 2026 तक 2,572 सरकारी सेवाएं उपलब्ध हैं तथा 796.69 करोड़ से अधिक लेन-देन दर्ज किए जा चुके हैं। पोषण अनुगमन प्रणाली के माध्यम से 13.35 लाख आंगनवाड़ी केंद्र और 8.9 करोड़ से अधिक लाभार्थी जुड़े हैं। प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत फरवरी 2026 तक 16.10 लाख करोड़ रुपये लागत वाली 352 परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया।

युवा और किसान भी हुए डिजिटल रूप से सशक्तः मेरा युवा भारत मंच पर 2.21 करोड़ से अधिक युवाओं का पंजीकरण हो चुका है। इस मंच के माध्यम से स्वयंसेवा, प्रशिक्षण, कौशल विकास, रोजगार और नेतृत्व के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

कृषि स्टैक के अंतर्गत मार्च 2026 तक 9.20 करोड़ से अधिक किसान पहचान-पत्र बनाए गए हैं। यह मंच किसानों को ऋण, बीमा, अनुदान, खरीद तथा व्यक्तिगत कृषि परामर्श उपलब्ध कराने में सहायक बन रहा है।

शिक्षा में डिजिटल क्रांतिः डिजिटल अवसंरचना ज्ञान साझाकरण (दीक्षा) मंच पर मार्च 2026 तक दो करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता हो चुके हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

बेल्जियम दौरे में शीर्ष यूरोपीय टीमों से खेलेगी भारतीय जूनियर हॉकी टीम

- डिफेंडर अनमोल करेंगे कप्तानी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जूनियर पुरुष अंडर-21 हॉकी टीम 5 से 18 जुलाई तक बेल्जियम दौरे पर रहेगी। इसमें डिफेंडर अनमोल इक्का की कप्तानी में 22 सदस्यीय टीम को बेल्जियम, ऑस्ट्रिया, जर्मनी और नीदरलैंड जैसी शीर्ष यूरोपीय टीमों से खेलना है। टीम के नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज के मार्गदर्शन में ये भारतीय टीम का पहला दौरा है। इस दौरे से टीम को इस साल के अंत में होने वाले जूनियर एशिया कप की तैयारियों में भी सहायता मिलेगी।

यूरोपीय टीमों के खिलाफ होने वाले इस दौरे में भारतीय टीमके युवा खिलाड़ियों का अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिलेगा। यह टीम को अपने संयोजन, रणनीति और खेल के विभिन्न पहलुओं को आंकने का भी अवसर देगा। इससे युवा खिलाड़ियों को उच्च दबाव वाले मैचों में प्रदर्शन करने की अपनी क्षमता को विकसित करने में मदद मिलेगी, जो भविष्य के बड़े टूर्नामेंटों के लिए अहम है।

इस दौरे पर भारतीय टीम कुल छह चुनौतीपूर्ण मुकाबले खेलेगी। टीम ऑस्ट्रिया और मेजबान बेल्जियम के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी, जबकि जर्मनी और नीदरलैंड जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ एक-एक मुकाबला होगा। भारतीय टीम 7 और 8 जुलाई को– ऑस्ट्रिया, 10 जुलाई को बेल्जियम, 13 जुलाई को जर्मनी, 14 जुलाई को बेल्जियम, 17 जुलाई को नीदरलैंड से खेलेगी।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए टीम में बदलाव कर सकता है पाकिस्तान

एजेंसी, लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चयन समिति ने आगामी वेस्टइंडीज दौरे के लिए टीम में बदलाव के संकेत दिये हैं। इसी के तहत ही टीम से अनुभवी तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह को बाहर किया जा सकता है। इनकी जगह घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, चयन समिति सीनियर गेंदबाजों को टीम में शामिल करने के पक्ष में नहीं हैं। शाहीन के अलावा हसन अली और नोमान अली को भी टीम से बाहर किया जा सकता है। वहीं 27 साल के युवा खुर्रम शहजाद और अनकैप्ड खिलाड़ी उबैद शाह को टेस्ट सीरीज में अवसर मिल सकता है।

इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए नितीश का फिट होना संदिग्ध

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी का इंग्लैंड के खिलाफ 14 जुलाई से शुरु हो रही एकदिवसीय सीरीज में खेलना संदिग्ध नजर आ रहा है। इसका कारण ये है कि नितीश कुमार अभी तक अपनी चोट से उबर नहीं पाये हैं। इसी कारण वह अभी तक अपना रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम भी शुरू नहीं कर पाये हैं जबकि सीरीज शुरु होने में अभी केवल 15 दिन ही शेष हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने इस ऑलराउंडर को अभी आराम करने को कहा है जिससे वह फिटनेस हासिल कर सकें। गौरतलब है कि इस खिलाड़ी को अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान बाएं पैर की मांसपेशी में खिंचाव आ गया था। इस चोट

के कारण ही वह दूसरे एकदिवसीय से बाहर रहे थे। तीसरे और अंतिम मुकाबले में उन्होंने दर्द के बावजूद वापसी की थी जिससे उनकी चोट ओर बढ़ गयी। ऐस में दर्द बढ़ने के कारण उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से भी बाहर रहना पड़ा था। नितीश अगर फिट नहीं होते तो भारतीय टीम की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। उन्हें अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के फिट नहीं होने के कारण अवसर दिया गया था पर अब वह स्वयं चोटिल हो गये हैं। अगर वह तय समय तक फिट नहीं होते हैं तो युवा ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को टीम में अवसर मिल सकता है। सूर्यांश ने हाल ही में श्रीलंका में खेली गई एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ अपने अंतरराष्ट्रीय टी20 डेब्यू में भी मौका पाया था, जहां उन्होंने दो ओवर में 25 रन देकर एक विकेट लिया था। लिस्ट-ए क्रिकेट में, शेडगे ने 15 मुकाबलों की 13 पारियों में 21.50 की औसत और 101.97 के स्ट्राइक रेट से 258 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में, उनके नाम 11 विकेट दर्ज हैं, जिसमें एक शानदार चार विकेट हॉल भी शामिल है।वहीं एक दूसरा विकल्प शिवम दुबे हो सकते हैं, जिन्होंने अपनी हालिया आयरलैंड टी20 सीरीज में गेंदबाजी में भी प्रभाव छोड़ा था, जहां उन्होंने तीन विकेट लिए थे।

वैभव के लिए भी हमने रणनीति बनायी : हैरी ब्रूक

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ पहले टी20 मैच में अगर वैभव सूर्यवंशी उतरते हैं तो उनसे मुकाबले के लिए हमारी टीम तैयार हैं। ब्रूक के अनुसार उन लोगों ने वैभव से निपटने की रणनीति बना ली है। अभी ये तय नहीं है कि भारतीय टीम वैभव को पहले टेस्ट में उतारती है या नहीं। वहीं मेजबान टीम के कप्तान ने साफ कर दिया है कि इंग्लैंड दोनों ही हालातों के लिए तैयार है। ब्रूक ने कहा, हमन पर प्रकार से तैयारी की है। जिससे इस बल्लेबाज पर अंकुश लगाया जा

सके। दूसरी ओर अपने डेब्यू का इंतजार कर रहे वैभव ने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन किया है जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। इससे पहले कोलंबो में भारत ए और श्रीलंका ए के बीच हुई एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में इस बल्लेबाज ने केवल 29 गेंदों में ही 94 रन बना दिये थे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में भी उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा। वह लीग में सबसे ज्यादा रन बनने में सफल रहे। अब देखना होगा कि पहले टी20 में उन्हें अवसर मिलता है या नहीं। वहीं अगर वह मैदान पर उतरते हैं, तो इंग्लैंड की टीम एक तय रणनीति के साथ उन्हें शुरुआत में ही आउट करने के प्रयास करेगी। वहीं वैभव को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी बल्लेबाजी का आंकलन करने का अवसर मिलेगा।

बांग्लादेशी गेंदबाज ताइजुल ने 19वीं बार पांच विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

एजेंसी, हरारे। यहां खेले गये एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में भले ही बांग्लादेश को जिम्बाब्वे से हार का सामना करना पड़ा हो पर इस मुकाबले में बांग्लादेशी स्पिनर ताइजुल इस्लाम ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किय है। ताइजुल अब टेस्ट क्रिकेट में एक मामले में ऑस्ट्रेलिया तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क से भी आगे निकल गए हैं। ताइजुल ने जिम्बाब्वे की पहली पारी में 40.2 ओवरों में केवल 138 रन देकर 7 विकेट लिए। इस प्रकार ताइजुल ने अपने टेस्ट करियर में 19वीं बार पांच विकेट लिए हैं। इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही ताइजुल ने कई रिकार्ड तोड़े हैं। वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा बार 5 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाजों में शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। इस प्रकार उन्होंने बांग्लादेश के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के 19 बार पांच विकेट लेने के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। इसके अलावा उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम टेस्ट में 18 बार पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है। ताइजुल का यह मुकाम हासिल करना इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने यह उपलब्धि सिर्फ 107 टेस्ट पारियों में हासिल की है।

अब ऑस्ट्रेलिया की जगह पुर्तगाल से खेलेंगे हेनरिक्स

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर मोइसेस हेनरिक्स ने कहा है कि अब वह अपनी ऑस्ट्रेलिया छोड़कर अपने जन्मस्थान पुर्तगाल की ओर से खेलेंगे। हेनरिक्स का कहना है कि उनका लक्ष्य 2028 टी20 विश्वकप में पुर्तगाल को क्वालिफाई कराना है। हेनरिक्स के इस कदम से एसोसिएट टीम पुर्तगाल को काफी लाभ होगा। इससे उसके लिए वैश्विक मंच पर पहचान बनाना आसान होगा। गौरतलब है कि हेनरिक्स का जन्म पुर्तगाल के मदीरा द्वीप पर हुआ था पर वह

क्रिकेट करियर के लिए ऑस्ट्रेलिया आ गये थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम के टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 तीनों प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला है। अगस्त 2021 में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। आईसीसी के नियमों के अनुसार, किसी पूर्वकालिक सदस्य देश से एसोसिएट राष्ट्र के लिए खेलने से पहले खिलाड़ी को तीन साल का अनिवार्य अंतराल पूरा करना होता है। यह अवधि अब पूरी हो चुकी है, जिसके बाद हेनरिक्स पुर्तगाल के लिए खेलने के योग्य हो गए हैं। अब हेनरिक्स फिनलैंड में होने वाले यूरोप सब-रीजनल क्वालिफायर में पुर्तगाल की ओर से मैदान पर उतरेंगे। यह क्वालिफायर 2028 के टीम 20 विश्व कप के यूरोपीय क्वालिफिकेशन चरण में जगह बनाने के लिए जरुरी है।

बिजनेस

रियासत लाइफ स्टाइल के शेयरों ने किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

एथनिक वियर बनाने वाली कंपनी रियासत लाइफ स्टाइल ने जोरदार गिरावट के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 106 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 84.80 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बनने पर कंपनी के शेयर कुछ देर में ही 80.60 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 25.40 रुपये यानी 23.96 प्रतिशत का झटका लग चुका है। रियासत लाइफ स्टाइल का 30.20 करोड़ रुपये का आईपीओ 18 से 25 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.32 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 20.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.09 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.44 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 28,48,800 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने चार नए शोरुम बनाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। रियासत लाइफ स्टाइल की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.32 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.08 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 4.87 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दस महीने यानी अप्रैल 2025 से 31 जनवरी 2026 तक कंपनी को 4.29 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 20.94 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 23.34 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 25.19 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दस महीने यानी अप्रैल 2025 से 31 जनवरी 2026 तक कंपनी को 28.13 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 1.02 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.74 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 8.87 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दस महीने यानी अप्रैल 2025 से 31 जनवरी 2026 तक की बात करें तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 38.97 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था।

एस. के. सिन्हा ने गेल में निदेशक (वित्त) का कार्यभार संभाला

एजेंसी, नई दिल्ली

एस. के. सिन्हा ने बुधवार को सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड में निदेशक (वित्त) का कार्यभार संभाल लिया है। वह आर. के. जैन की जगह लेंगे, जो 30 जून को सेवानिवृत्त हो गए। गेल ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में बताया कि एस. के. सिन्हा ने आज भारत की प्रमुख एकीकृत ऊर्जा कंपनी, गेल (इंडिया) लिमिटेड में निदेशक (वित्त) का पदभार संभाला। निदेशक मंडल में शामिल होने से पहले उन्होंने कार्यकारी निदेशक (वित्त एवं लेखा) के तौर पर काम किया है। इससे पहले वे कार्यकारी निदेशक (वित्त एवं लेखा) के रूप में कार्यरत थे। एस. के. सिन्हा 1994 में प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में गेल से जुड़े थे और अब तीन दशक से अधिक के कार्यकाल के बाद निदेशक मंडल में शामिल हुए हैं। कंपनी के मुताबिक लागत एवं प्रबंधन लेखाकार (कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट) सिन्हा ने अपने कार्यकाल के दौरान कॉर्पोरेट वित्त, लेखांकन, कोष, कराधान, बजट, परियोजना मूल्यांकन, निवेशक संबंध और विलय एवं अधिग्रहण जैसे क्षेत्रों में कार्य किया है।

इस्पात मंत्रालय ने मेकॉन लिमिटेड को मिनीरत्न कैटेगरी-I का दिया दर्जा

एजेंसी, नई दिल्ली

इस्पात मंत्रालय ने अनुसूची 'ए' के तहत आने वाले केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (सीपीएसई) मेटलर्जिकल एंड इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स (इंडिया) लिमिटेड (मेकॉन) को मिनीरत्न श्रेणी-I का दर्जा देने की मंजूरी दे दी है। मेकॉन ने हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण वित्तीय उपलब्धियां हासिल की हैं। मेकॉन ने 535 करोड़ रुपये से अधिक की कुल संपत्ति के साथ यह स्थान प्राप्त किया है। मंत्रालय के मुताबिक कंपनी ने पिछले तीन वित्तीय वर्षों में लगातार लाभ दर्ज किया है, जिसमें वित्त वर्ष 2023-24 (पुनर्घोषित) में 77.62 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2024-25 (पुनर्घोषित) में 32.08 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2025-26 में 104.53 करोड़ रुपये का कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) शामिल है। कंपनी ने 31 मार्च 2026 तक 535.42 करोड़ रुपये की सकारात्मक शुद्ध संपत्ति भी दर्ज की है, जिससे वह सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा मिनीरत्न श्रेणी-I का दर्जा प्राप्त करने के लिए निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करती है। इस्पात मंत्रालय के मुताबिक मिनीरत्न श्रेणी-I का दर्जा मिलने से

मेकॉन लिमिटेड के बोर्ड को वित्तीय और परिचालन संबंधी स्वायत्तता में वृद्धि प्राप्त हुई है। शक्तियों के इस बढ़े हुए प्रत्यायोजन से कंपनी को निवेश, आधुनिकीकरण पहल, तकनीकी उन्नयन और व्यापार विस्तार परियोजनाओं को अधिक लचीलेपन और गति के साथ क्रियान्वित करने में मदद मिलेगी, जिससे इसके भविष्य के विकास पथ को बल मिलेगा। मंत्रालय के मुताबिक यह निर्णय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) को अधिक स्वायत्तता और परिचालन लचीलापन प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने के प्रति सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह निर्णय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को मजबूत करने, उनकी दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करने और उन्हें देश के आर्थिक तथा अवसंरचना विकास में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम बनाने के व्यापक उद्देश्य के अनुरूप है। वर्ष 1959 में स्थापित और रांची में मुख्यालय वाली मेकॉन लिमिटेड देश की प्रमुख इंजीनियरिंग, परामर्श, परियोजना प्रबंधन और ठेका देने वाली कंपनियों में से एक है। कंपनी ने देश के इस्पात क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कंपनी ने खनन, अवसंरचना, बिजली, तेल एवं गैस तथा अर्थव्यवस्था के अन्य प्रमुख क्षेत्रों में अपने परिचालन का विस्तार किया है।

अडाणी ग्रीन एनर्जी बनी 20 गीगावाट क्षमता हासिल करने वाली पहली भारतीय कंपनी

एजेंसी, नई दिल्ली

अडाणी समूह की अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) 20 गीगावाट (जीडब्ल्यू) ऑपरेशनल रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता पार करके भारत की पहली कंपनी बन गई है। कंपनी ने इस लक्ष्य को ज्यादातर नए प्रोजेक्ट्स (ग्रीनफील्ड डेवलपमेंट) के जरिए पूरा किया है। यह कंपनी सालाना 52 अरब यूनिट से अधिक स्वच्छ बिजली का उत्पादन करती है। अडाणी समूह की कंपनी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि यह उत्पादन भारत की कुल बिजली खपत का लगभग तीन फीसदी है। यह न्यूयॉर्क शहर की एक साल की बिजली जरूरत पूरी करने या मुंबई और नई दिल्ली की संयुक्त वार्षिक

बिजली आवश्यकता के लगभग बराबर है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में 5,051 मेगावाट नई क्षमता जोड़ी, जो चीन के बाहर किसी भी कंपनी द्वारा एक वर्ष में जोड़ी गई सबसे अधिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता है। इस उपलब्धि पर अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी ने कहा कि 20 गीगावाट का आंकड़ा पार करना दिखाता है कि अनुशासित क्रियान्वयन एवं दीर्घकालिक दृष्टिकोण से क्या हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज एजीईएल अपने दक्ष दल और लंबे समय से जुड़े साझेदारों के साथ मिलकर मुंबई तथा नयी दिल्ली की संयुक्त वार्षिक बिजली आवश्यकता के बराबर नवीकरणीय बिजली उपलब्ध करा रही है। एजीईएल की योजना वित्त वर्ष 2026-27 में 10 गीगावाट-घंटा बैटरी भंडारण क्षमता जोड़ने और अगले पांच वर्षों में इसे बढ़ाकर 50 गीगावाट-घंटा करने की है। इससे कंपनी को वर्ष 2030 तक 50 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण फ्रांस के चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर रवाना

एजेंसी, नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण बुधवार को फ्रांस की चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर रवाना हो गईं। इस दौरान कई उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय बैठकों में हिस्सा लेंगी, जिनका मकसद भारत और फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना, आर्थिक सहयोग बढ़ाना और निवेश, टेक्नोलॉजी सहयोग एवं इनोवेशन को बढ़ावा देना है। केंद्रीय वित्त मंत्री की इस आधिकारिक यात्रा के दौरान एक अहम कार्यक्रम 'भारत-फ्रांस आर्थिक और वित्तीय संवाद' (ईएफडी) होगा। इसकी सह-अध्यक्षता सीतारमण और फ्रांस के अर्थव्यवस्था, वित्त और औद्योगिक एवं ऊर्जा संप्रभुता मंत्री रोलैंड लेस्क्योर, ऐक्स-एन-प्रोवेंस में करेंगे। ईएफडी के तहत दोनों देश अलग-अलग क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के संभावित मौकों पर चर्चा करेंगे और भारत-फ्रांस के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करेंगे। केंद्रीय वित्त मंत्री चुनिंदा ग्लोबल सीईओ के साथ आमने-सामने की बैठकें करेंगी। साथ ही वे प्रमुख बिजनेस एग्जीक्यूटिव्स के साथ एक राउंडटेबल चर्चा में भी हिस्सा लेंगी, ताकि भारत के मज़बूत मैक्रो-इकोनॉमिक आधार, चल रहे स्ट्रक्चरल सुधारों, निवेश के बढ़ते मौकों और लंबी अवधि में विकास की संभावनाओं को दिखाया जा सके। वित्त मंत्रालय के मुताबिक वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 'लेस रेन्कॉन्ट्रेस इकोनॉमिक्स डी'एक्स-एन-प्रोवेंस' में "नए मध्यम वर्ग के विकास को कैसे बढ़ावा दें" विषय पर एक पैनल चर्चा में हिस्सा लेंगी। यह यूरोप के प्रमुख सालाना मंचों में से एक है, जहां वैश्विक आर्थिक और सार्वजनिक नीति के मुद्दों पर बातचीत होती है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला नैक पैकेजिंग का आईपीओ, पहले दिन ही दोगुना से ज्यादा हुआ सब्सक्राइब

एजेंसी, नई दिल्ली

इंटीग्रेटेड पैकेजिंग सॉल्यूशन देने वाली कंपनी नैक पैकेजिंग का 439.50 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में तीन जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद छह जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि सात जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर आठ जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। शाम 3:15 बजे तक ये आईपीओ 2.21 गुना सब्सक्राइब हो चुका था। यानी पहले दिन ही इस आईपीओ को दोगुना से भी ज्यादा सब्सक्रिप्शन

मिल चुका है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 161 रुपये से लेकर 170 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 88 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 88 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,960 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,94,480 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 1,144 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,58,52,941 शेयर बेचे जा रहे हैं। इनमें 380 करोड़ रुपये के 2,23,52,941 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि 35 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। नैक पैकेजिंग के आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 40.75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 34.833 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.92 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा कंपनी के कर्मचारियों के लिए 0.50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है।

फिल्म

श्वेता तिवारी ने रेड ड्रेस में बिखेरा जलवा स्माइल से लूट लिया करार

श्वेता तिवारी सिर्फ एक एक्टिव और टैलेंटेड एक्ट्रेस ही नहीं बल्कि स्टाइल आइकन भी हैं. उनके फैशन सेंस में सिंपल और एलिगेंट का परफेक्ट मिक्स नजर आता है जो हर मौके पर उनके लुक को परफेक्ट बनाता है. चाहे रैड कार्पेट हो या कैजुअल आउटिंग, श्वेता हमेशा अपनी स्टाइल और ग्रेस से लोगों को इंप्रेस करती हैं. उनके इस इंस्टाग्राम पोस्ट में भी ये साफ दिखाई देता है कि वो फैशन और परफॉर्मेंस दोनों में बराबर एक्सील करती हैं.

श्वेता तिवारी हमेशा से ही अपने स्टाइल और परफॉर्मेंस के लिए फैंस के बीच काफी पॉपुलर रही हैं. इस इंस्टाग्राम पोस्ट में उनका लुक देखते ही बनता है. श्वेता रेड कलर की लेयर्ड ड्रेस में नजर आ रही हैं जो उनके स्टाइल और ग्रेस को और निखार रही है. ड्रेस की फ्लोइंग लेयर्स उनके मूवमेंट के साथ खूबसूरती से झूल रही हैं और उनका सिंपल लेकिन एलिगेंट स्टाइल उन्हें मॉडर्न और क्लासिक दोनों तरह का लुक दे रहा है. उन्होंने अपने लुक को गोल्डन ईयररिंग्स और पेस्टल हील्स के साथ कंप्लीट किया है जो उनकी पर्सनालिटी को और हाईलाइट कर रहे हैं. उनके बाल खुले और सॉफ्ट वेव्स में सेट हैं, जो उनके चेहरे की खूबसूरती को और निखारते हैं. उनके नेचुरल पोज ने तस्वीर को और भी खास बना दिया है. वर्क फ्रंट की बात करें तो श्वेता तिवारी ने टेलीविजन इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरुआत बेहद कम उम्र में की थी और धीरे-धीरे खुद को टॉप टीवी एक्ट्रेस बन गई थी.

उन्हें सबसे ज्यादा पहचान कसौटी जिंदगी की की प्रेरणा के रूप में मिली, जहां उन्होंने प्रीति का रोल निभाया। इसके अलावा श्वेता ने कई रियलिटी शो जैसे कि खतरों के खिलाड़ी और झलक दिखला जा में नजर आई थी. टीवी सीरियल्स के अलावा, उन्होंने वेब शोज और प्रिंट कमर्शियल्स में भी अपने एक्टिंग स्किल्स को दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ा है. उनकी परफॉर्मेंस हमेशा ही नेचुरल और दिल को छू लेने वाली रही है जिससे फैंस उनके हर प्रोजेक्ट में जुड़े रहते हैं.

फिल्म कैरी ऑन जट्टा 4 ने तीसरे दिन किया कमाल

जबरदस्त कलेक्शन के साथ दो फिल्मों को पछाड़ा

गिप्पी ग्रेवाल, सरगुन मेहता और बिन्नू ढिल्लों की फिल्म कैरी ऑन जट्टा 4 इस 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है. इस फिल्म को अक्षय कुमार की 'वेलकम टू द जंगल से क्लैश करना पड़ा है. वहीं पॉपुलर फैंचाइजी की फिल्म होने के बावजूद इसे बुहत ज्यादा दर्शक नहीं मिल पा रहे हैं. हालांकि फिर भी इसकी कमाई में वीकेंड पर तेजी देखी गई. साथ ही ये 2026 की टॉप 5 सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पंजाबी फिल्मों में भी शामिल हो गई है. चलिए यहां इसे तीसरे दिन यानी संडे के कलेक्शन के बारे में जानते हैं. स्मीप कांग के निर्देशन में बनी कैरी ऑन जट्टा 4 बॉक्स ऑफिस पर ठीक ठाक परफॉर्म कर रही है. इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 1.90 करोड़ का कलेक्शन किया था. वहीं दूसरे दिन इस फिल्म ने अच्छी तेजी दिखाई और सैकनिल्क के मुताबिक भारत में दूसरे दिन इसकी कमाई 2.5 करोड़ रुपये (नेट) रही.अब संडे को भी इसके कलेक्शन जबरदस्त उछाल देखा गया है. बता दें कि सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक कैरी ऑन जट्टा 4 ने रिलीज के तीसरे दिन यानी संडे को 3.40 करोड़ की नेट कमाई की है. इसी के साथ इस फिल्म की तीन दिनों का भारत में कुल नेट कलेक्शन अब 7.80 करोड़ रुपये हो गया है.गौरतलब है कि सील 2026 में पंजाबी सिनेमा ने कुछ सफलताएं देखी हैं, लेकिन किसी ने भी कोई बड़ा मुकाम हासिल नहीं किया. अभी तक रिलीज हुई ज्यादातर पंजाबी फिल्म उम्मीद के मुताबिक बॉक्स ऑफिस पर परफॉर्म नहीं कर पाई हैं. लेकिन कैरी ऑन जट्टा 4 ने रिलीज के तीन दिन में व्याह करतारें दा (4.55 करोड़) और बंबुकट 2 (6.18) करोड़ को पीछे छोड़ दिया है. इसी के साथ ये पॉलीवुड में 2026 की तीसीर सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है. वहीं सामंथा रूथ प्रभु की फिल्म मां इंति बंगारम को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया है. इसी के साथ इस फिल्म ने पहले हफ्ते में 33.70 करोड़ कमाए थे. वहीं 8वें दिन इसने 4.35 करोड़ और 9वें दिन 4.90 करोड़ का कलेक्शन किया. अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक रिलीज के 10वें दिन यानी दूसरे संडे को इस फिल्म ने 5.30 करोड़ कमाए. इसी के साथ मां इंति बंगारम की 10 दिनों की भारत में नेट कमाई 48.25 करोड़ रुपये हो गई है. इधर इम्तियाज अली निर्देशित फिल्म मैं वापस आऊंगा ने रिलीज के 17वें दिन 4.50 करोड़ रुपये कमाए हैं। सोलहवें दिन इसने 4.25 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म दर्शकों को पसंद आ रही है, इसका कुल कलेक्शन भी अब तक 46.30 करोड़ रुपये हो चुका है।इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी वाघ ने अहम किरदार निभाए हैं। साउथ फिल्म 'पेद्दी ने रिलीज के 25वें दिन 1.04 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। वहीं फिल्म ने 23वें दिन 93 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। बुची बाबू सना निर्देशित और रामचरण अभिनीत फिल्म 'पेद्दी का कुल कलेक्शन 240.14 करोड़ रुपये हो चुका है।

फिल्म आवारापन 2 की रिलीज तारीख आई

इमरान हाशमी की सनी देओल से टक्कर पक्की

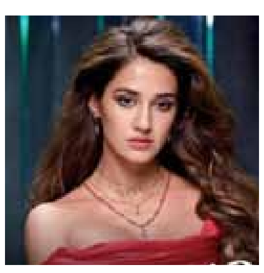

इमरान हाशमी और दिशा पाटनी की फिल्म आवारापन 2 का ऐलान पिछले साल हुआ था। 2007 में आई आवारापन की सफलता के बाद निर्माताओं ने इसका सीक्वल बनाने का फैसला लिया था। फिल्म का निर्देशन नितिन कक्कड़ ने किया है, जिन्हें नोटबुक और जवानी जानेमन के लिए जाना जाता है। इसे पहले अप्रैल, 2026 में रिलीज किया जाना था, लेकिन फिर रिलीज तारीख को आगे खिसका दिया गया। अब विशेष फिल्म्स ने इसकी रिलीज तारीख का ऐलान किया है। विशेष फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर घोषणा करते हुए बताया है कि आवारापन 2 14 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पोस्ट के साथ कैप्शन दिया गया, इस स्वतंत्रता दिवस सप्ताहांत पर खुद को फ्री रखें और 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में अवारपन 2 देखने के लिए हमारे साथ जुड़ें। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर सनी देओल अभिनीत फिल्म लाहौर 1947 का सामना करना पड़ेगा जो 13 अगस्त को रिलीज हो रही है। आवारापन 2 के जरिए इमरान को शिवम पंडित की भूमिका को दोहराते हुए दिखाया जाएगा। फिल्म पर बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि 6 साल से इसकी चर्चा चल रही थी। फिल्म ऐसी जगह पर खत्म हुई थी, जहां शिवम की मौत हो जाती है। उन्होंने आगे बताया कि 2022 में टीम ने मिलकर एक बेहतरीन आइडिया पर काम किया, जब उनके दोस्त बिलाल स्क्रिप्ट लेकर आए। इसके बाद फिल्म पर काम शुरू हुआ था।

शुरुआती हफ्तों में बुरी तरह फ्लॉप हो चुकी थी फिल्म कर्ज

बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर सुभाष घई ने ऋषि कपूर की फिल्म कर्ज के रिलीज के 46 साल पूरे होने पर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि शुरुआती हफ्तों में फिल्म बुरी तरह फ्लॉप घोषित हो गई थी। इस असफलता ने पूरी टीम को हिलाकर रख दिया था। फिल्ममेकर ने बताया कि फिल्म के फ्लॉप होने से ऋषि कपूर टूट गए और वह गहरे डिप्रेशन में चले गए थे। सुभाष घई ने इंस्टाग्राम हैंडल एक कोलाज शेयर किया। इसमें फिल्म की सफलता का जश्न मनाती तस्वीरों के साथ 'कर्ज' के सेट की एक पुरानी बिहाइंड द सीन्स फोटो और फिल्म का पोस्टर भी शामिल था। इस तस्वीर में सुभाष घई, ऋषि कपूर और टीना मुनीम को शूटिंग के दौरान निर्देश देते हुए नजर आ रहे हैं। सुभाष घई ने कैप्शन लिखा, 'आज लोग इसे एक शानदार म्यूजिकल शो कहते हैं, लेकिन 27 जून 1980 को रिलीज के समय इसे फ्लॉप शो कहा गया था। हम सभी बहुत निराश थे और खासकर ऋषि कपूर काफी दुखी थे। आज वही फिल्म सदाबहार म्यूजिकल फिल्म के रूप में मनाई जाती है। हम सभी इसके 46 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं और अपने प्रिय दोस्त और महान एक्टर ऋषि कपूर को याद कर रहे हैं। अब 'कर्ज' जल्द ही ब्रॉडवे शैली के म्यूजिकल स्टेज शो के रूप में भी आने की तैयारी में है।' 'कर्ज' का निर्देशन और निर्माण सुभाष घई ने मुक्ता आर्ट्स के बैनर तले किया था। फिल्म में ऋषि कपूर, टीना मुनीम, सिमी ग्रेवाल, राज किरण, प्रेमनाथ, प्राण और दुर्गा खोटे ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं। फिल्म की कहानी मोंटी नाम के एक सफल गायक के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे अपने पिछले जन्म की रहस्यमयी बातें याद आने लगती हैं। बाद में उसे पता चलता है कि वह अमीर कारोबारी रवि वर्मा का पुनर्जन्म है, जिसकी उसकी पत्नी कामिनी ने संपत्ति के लालच में उसकी हत्या कर दी थी।

इक्का में अभिनेता सनी देओल और अक्षय खन्ना के बीच सबसे बड़ी जंग

10 जुलाई को होगा महा-मुकाबला

बॉलीवुड के 2 दिग्गज कलाकार सनी देओल और अक्षय खन्ना जल्द ही एक धमाकेदार कोर्टरूम ड्रामा फिल्म में आमने-सामने नजर आने वाले हैं। नेटफ्लिक्स ने उनकी आगामी फिल्म इक्का का एक बेहद दमदार और नया पोस्टर जारी कर दिया है, जिसके साथ ही फिल्म की आधिकारिक रिलीज तारीख का भी ऐलान कर दिया गया है। आइए जानते हैं अक्षय खन्ना और सनी देओल के कड़क अंदाज से सजी ये फिल्म किस दिन दर्शकों के बीच आएगी। सनी और अक्षय पूरे 29 साल बाद एक बार फिर स्क्रीन शेयर करने के लिए तैयार हैं। नेटफ्लिक्स ने अब फिल्म की रिलीज तारीख का ऐलान कर दिया है। ये फिल्म 10 जुलाई को सीधे नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। यह फिल्म एक दमदार और कड़क कानूनी ड्रामा है। इसकी कहानी में कोर्ट के अंदर होने वाली आम बहसों के बजाय किरदारों की सोच, उनके सही-गलत के फैसलों और मन में चलने वाली कशमकश को दिखाया गया है। सिद्धार्थ पी मल्होत्रा के निर्देशन और अल्केमी फिल्म्स के बैनर तले बनी इक्का से सनी देओल ओटीटी डेब्यू करने जा रहे हैं। नेटफ्लिक्स पर वह अपने दमदार अंदाज में लौटेंगे, लेकिन इस बार कहानी कोर्टरूम ड्रामा पर आधारित है। फिल्म में तिलोत्तमा शोम और दीया मिर्जा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। इक्का एक बड़ी कानूनी लड़ाई की कहानी है, जिसमें विचारधाराओं का टकराव, सही-गलत का द्वंद्व और किरदारों का अतीत आपस में जुड़ा हुआ है।

ट्रेंड को फॉलो नहीं करतीं अनन्या पांडे? बताई अपनी पसंद, नई पीढ़ी से की ये अपील

सेलिब्रिटी पर हमेशा ट्रेंड्स के साथ चलने का दबाव रहता है। ऐसा इसलिए क्योंकि फैंस उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। उन पर ये दबाव इसलिए भी रहता है कि क्योंकि ब्यूटी ट्रेंड्स रातों-रात बदल जाते हैं। हालांकि अनन्या पांडे के लिए, आज खूबसूरती का मतलब ट्रेंड्स को फॉलो करना नहीं, बल्कि अपनी असलियत को अपनाना है। एक्ट्रेस ने बताया कि वह कभी भी ब्यूटी ट्रेंड्स के पीछे नहीं भागतीं, बल्कि वही चीजें अपनाती हैं, जो उन्हें स्वाभाविक रूप से पसंद आती हैं। कॉल मी बे की एक्ट्रेस ने कहा, मैं ट्रेंड्स को फॉलो वालों में से नहीं हूं। मुझे असल में ऑनलाइन सर्च करना पड़ता है कि अभी क्या ट्रेंड कर रहा है, वरना मुझे पता ही नहीं चलेगा। मुझे बस इतना पता है कि मेरे लिए क्या सही है। अनन्या को फिल्म केसरी चैप्टर 2 और चांद मेरा दिल जैसी हालिया फिल्मों में उनकी परफॉर्मेंस के लिए तारीफ मिली, हालांकि ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं कर पाईं। सफलता और असफलता दोनों का अनुभव कर चुकीं यह एक्ट्रेस बड़े पर्दे के जादू में पक्का यकीन रखती हैं। अनन्या पांडे कहती हैं मुझे लगता है कि सिनेमा हमेशा रहेगा। मुझे थिएटर में जाकर हर तरह की फिल्में देखना पसंद है। मुझे सबसे ज्यादा मजा हर हफ्ते रिलीज होने वाली फिल्में देखने में आता है। मेरे लिए, फिल्में देखना मेरे बड़े होने का एक अहम हिस्सा रहा है। मैं नई पीढ़ी को थिएटर जाकर फिल्में देखने और हमारे सिनेमा को जिंदा रखने के लिए प्रोत्साहित करूंगी।

हील वाले फ्लिप-फ्लॉप्स कर रहे हैं ट्रेंड, इनके साथ आप पहन सकती हैं ये 5 आउटफिट

हील फ्लिप-फ्लॉप्स एक आरामदायक और स्टाइलिश फुटवियर विकल्प है। ये न केवल रोजमर्रा की जिंदगी में, बल्कि खास मौकों पर भी आपके लुक को खास बना सकते हैं। सही कपड़ों के साथ इन्हें पहनने से आप हर मौके पर आकर्षक दिख सकती हैं। आज के फैशन टिप्स में हम आपको बताएंगे कि किन कपड़ों के साथ हील फ्लिप-फ्लॉप्स पहनने से आपका लुक और भी बेहतरीन लगेगा। **जींस और टॉप**: जींस और टॉप का मेल हमेशा से ही फैशनेबल रहा है। अगर आप हील फ्लिप-फ्लॉप्स पहन रही हैं तो डेनिम जींस के साथ एक साधारण या प्रिंटेड टॉप चुनें। यह मेल न केवल आपको आरामदायक महसूस कराएगा, बल्कि स्टाइलिश भी दिखाएगा। आप चाहें तो जैकेट या श्रग भी जोड़ सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा। इस तरह का पहनावा ऑफिस, कॉलेज या दोस्तों के साथ घूमने के लिए बेहतरीन है। मैक्सी ड्रेस के साथ हील फ्लिप-फ्लॉप्स एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह मेल आपको लंबा और पतला दिखाएगा, साथ ही आरामदायक भी रहेगा। मैक्सी ड्रेस में लंबी डिजाइन चुनें, जो आपके शरीर को खूबसूरती से दिखाएगी। इसके साथ हल्के गहने और एक छोटा-सा बैग जोड़ें, ताकि आपका लुक पूरा हो सके। यह पहनावा किसी भी खास मौके पर आपको आकर्षक और स्टाइलिश दिखाएगा। इन दिनों स्लिप मैक्सी ड्रेस काफी लोकप्रिय हैं। शॉर्ट ड्रेस हमेशा से ही युवा और ताजगी भरा एहसास देती आई हैं। अगर आप किसी पार्टी या खास मौके पर जा रही हैं तो शॉर्ट ड्रेस के साथ हील फ्लिप-फ्लॉप्स पहन सकती हैं। यह मेल न केवल आपको आकर्षक दिखाएगा, बल्कि आरामदायक भी रहेगा। इसके साथ हल्के गहने और एक छोटा-सा बैग जोड़ें, ताकि आपका लुक पूरा हो सके। आप अपनी पसंद की डिजाइन वाली शॉर्ट ड्रेस पहन सकती हैं। **स्कर्ट और ब्लाउज** : पार्टी या खास मौकों पर स्कर्ट और ब्लाउज का मेल बहुत अच्छा लगता है। रेशम या साटन की स्कर्ट के साथ एक फिटेड ब्लाउज चुनें, जो आपके शरीर को खूबसूरती से दिखाएगा। इसके साथ हील फ्लिप-फ्लॉप्स पहनें, ताकि आपका लुक और भी खास लगे। इस तरह का पहनावा किसी भी खास मौके पर आपको आकर्षक और स्टाइलिश दिखाएगा। आप चाहें तो हल्के गहने और एक छोटा-सा बैग भी जोड़ सकती हैं। अगर आप पारंपरिक लुक पसंद करती हैं तो अनारकली सूट या सलवार-कमीज के साथ हील फ्लिप-फ्लॉप्स पहन सकती हैं। यह मेल आपको पारंपरिक और आधुनिक, दोनों ही अंदाज में दिखाएगा। पारंपरिक सूट में लंबी डिजाइन चुनें, जो आपके शरीर को खूबसूरती से दिखाएगा। इसके साथ हल्के गहने और एक छोटा-सा बैग जोड़ें ताकि आपका लुक पूरा हो सके। इस तरह का पहनावा किसी भी खास मौके पर आपको आकर्षक और स्टाइलिश दिखाएगा।

At UN, India flags concerns over targeting of vessels in Strait of Hormuz

New Delhi, Agency: Targeting commercial shipping, endangering civilian crew and impeding freedom of navigation in the Strait of Hormuz is "unacceptable", India's Permanent Representative to the UN Parvathaneni Harish has said.

Harish's remarks at a special meeting of the United Nations Economic and Social Council (UNECOSOC) on safeguarding energy and supply flows came days after an India-flagged commercial vessel came under attack off the coast of Oman.

Omani authorities rescued all 14 crew members of the vessel sailing from Somalia, but it was not immediately known who carried out the strike.

In a post on X on Sunday, Harish said that at the UNECOSOC meeting, he shared India's approach to the recent energy and fertiliser crisis caused by the West Asia conflict.

combination of short-term and structural measures alongside international cooperation are essential to respond to the crisis," he said.

"Reiterated that targeting of commercial shipping, endangering civilian crew and impeding freedom of navigation in the Strait of Hormuz, are unacceptable. International law in this regard must be fully respected," he added.

The attack on the India-flagged vessel on May 13 took place amid the fragile situation in the Strait of Hormuz, a narrow waterway close to the coast of Oman through which roughly one-fifth of the world's energy supplies pass. It has been severely disrupted by the conflict in West Asia that started on February 28, with the US and Israel launching joint attacks on Iran, triggering retaliatory strikes. Earlier, India had described the attack as "unacceptable .

US passenger hiding 115 smuggled gold bars in belt nabbed at Delhi airport

New Delhi, Agency: Customs officials at Delhi's Indira Gandhi International Airport on Saturday said they had seized 115 smuggled gold bars weighing 3.5 kg from an American national of Indian origin, news agency PTI reported.

The seizure comes amid a recent rise in gold smuggling attempts following the increase in Customs duty on gold from 6 per cent to 15 per cent, officials said.

According to an official statement, the passenger allegedly concealed the contraband inside a specially designed belt and was intercepted by officers of the Air Intelligence Unit (AIU) at the international arrival terminal after arriving from San Francisco on May 15. Officials said the action followed intelligence inputs developed through risk-based passenger profiling after the traveller allegedly attempted to cross the green channel covertly.During the search, customs officers recovered 115 gold bars concealed inside inner pockets stitched into the passenger's trousers and hidden within a specially designed belt, the statement said. The seized gold bars were of 24-carat purity (999.9) and weighed a total of 3,565 grams.

Senior customs officials monitoring contraband movement said the seizure "directly correlates" with a recent rise in gold smuggling attempts following the increase in Customs duty on gold from 6 per cent to 15 per cent.

"With the margin of profit per kilogram skyrocketing, international syndicates appear to have shown heightened desperation by deploying increasingly complex concealment methods," the statement said.

Officials said the gold was being smuggled into India as contraband and was seized under Section 110 of the Customs Act, 1962. The passenger was subsequently arrested under Section 104 of the Customs Act, according to the statement.

Was misquoted, I'm proud of our youth, says CJI Surya Kant

New Delhi, Agency: Chief Justice Surya Kant Saturday said he 'was pained' by a section of media misquoting his comments on youth during courtroom proceedings on Friday and clarified that his angst was against those joining the legal profession with bogus degrees and behaving like parasites.

In a statement, CJI Kant said, "What I had specifically criticised were those who have entered professions like the Bar with the aid of fake and bogus degrees. Such persons have sneaked into media, social media, and other noble professions" and are attempting to weaken every system like parasites. The CJI-led bench was critical of an advocate who was seeking a judicial direction to the Delhi HC to designate him as senior advocate and had observed that it was looking for an appropriate case to order CBI inquiry into the genuineness of degrees of many masquerading as advocates in Delhi.

Pre-arrest bail for Vadra in Haryana land deal-linked laundering probe

New Delhi, Agency: A Delhi court granted Saturday pre-arrest bail to businessman Robert Vadra in a money laundering case tied to a land deal in Haryana, ruling that his "detention in judicial custody is neither necessary nor warranted" after ED chose not to arrest him during its investigation. Special judge Sushant Changotra of Rouse Avenue Courts also granted relief to co-accused Kewal Singh Virk on a surety bond of Rs 50,000 each. The case relates to a 3.5-acre parcel in Shikohpur village in Gurgaon. According to ED, a company linked to Vadra bought the land from Omkareshwar Properties in Feb 2008 for Rs 7.5 crore and later sold it to DLF for Rs 58 crore.

'Illegally constituted': MEA rejects Pakistan-backed Court of Arbitration ruling on Indus Waters Treaty

New Delhi, Agency: India on Saturday once again rejected the constitution of the Court of Arbitration under the Indus Waters Treaty, declaring the decision as 'null and void.'

External affairs ministry spokesperson Randhir Jaiswal said that India had never recognised the establishment of the court and would not accept any proceedings, awards or decisions issued by it. "The illegally constituted so-called Court of Arbitration (CoA) has, on 15 May 2026, issued what it termed an award concerning maximum pondage supplemental to the award on issues of general interpretation of the Indus Waters Treaty," Jaiswal said in response to media queries.

"India categorically rejects the present so-called award, just as it has firmly rejected all prior pronouncements of the illegally constituted CoA," he added.

Jaiswal further asserted that any proceedings conducted by the tribunal held no legal validity from India's perspective.

"India has never recognised the establishment of this so-called CoA. Any proceeding, award, or decision issued by it is null and void," he said.

He also reiterated that India's decision to keep the Indus Waters Treaty in abeyance remained unchanged. "India's decision to hold the Indus Waters Treaty in abeyance remains in force," the MEA spokesperson said.

J&K: Elderly dead, 7 in hospital after consuming wild vegetable in Rajouri

JAMMU, Agency: A 60-year-old man died and seven others, including two children, were hospitalised on Friday after they allegedly consumed a wild vegetable in J&K's Rajouri district. All the affected people belonged to two families.

Officials said on Saturday, the incident was reported from Mohra village in Kotranka sub-division, about 40km from Rajouri town. Mohammad Hussain died during treatment. Those who fell sick included Mohammad Imran, 8, and Ratish Ali, 6. They were admitted to community health centre, Kandi, and later shifted to govt medical college and hospital in Rajouri. "Prima facie it is a case of food poisoning," officials said, adding that its exact cause is being investigated.

Fire breaks out in AC coach of Rajdhani Express in MP's Ratlam

New Delhi, Agency: A fire broke out in one of the coaches of the Thiruvananthapuram-Hazrat Nizamuddin Rajdhani Express in Ratlam district of Madhya Pradesh on Sunday morning. All passengers were safely evacuated from the affected coach, railway officials said.

According to officials, the fire was reported near the SLR end of the B-1 coach at around 5.15 am, between Luni Richha and Vikramgarh Alot stations in the West Central Railway section, while the train was in the Down direction. Railway authorities immediately initiated emergency response measures.

All passengers travelling in the affected coach were safely de-boarded and no injuries or casualties were reported, officials said. The overhead electric supply was immediately switched off as a precautionary measure, while the affected B-1 coach was detached from the rake. Railway personnel and senior officials rushed to the spot and carried out firefighting operations. Passengers from the affected coach were provided refreshments at the site. Railway authorities also announced that an additional coach would be attached to the train at Kota station to facilitate the onward journey of passengers. Senior officials from Kota division have left for the incident site to supervise restoration and safety operations.

Nietzsche said free will is a lie but in 2026 it is a vibe

What does it mean to have free will in 2026?

New Delhi, Agency: Why are young people across the world filming themselves eating lunch on ladders, rearranging their homes into fake hotel suites, or doing completely irrational everyday activities simply because they can?

And how did a 19th-century philosopher who believed human beings were never truly free become strangely relevant to a generation raised by algorithms, lockdowns, surveillance and social media?

Across social media, thousands of young users are posting videos under captions such as "POV: You suddenly realise you have free will". The intent is to carry out the daily mundane activities in deliberately impractical but harmless ways

Videos of people climbing the maintenance ladder while having lunch just to finish the meal in the air or other laying out buffets of the same meal just to recreate a wedding vibe have become a well-participated trend. What looks like unserious internet humour has almost become an emotional reaction to a world that feels increasingly controlled by economics, technology, politics and invisible systems.

In a time when algorithms predict behaviour, governments shape consumption habits during crises and social media constantly influences thought patterns, free will is no longer viewed as a stable philosophical truth. For the new generation, it has become a feeling, a performance and, in many ways, a vibe.

Long before social media transformed rebellion into short-form content, German philosopher Friedrich Nietzsche had already questioned whether free will existed at all.

In his 1886 work Beyond Good and Evil, Nietzsche argued that human beings do not make choices in the pure, independent way they imagine.